कोटद्वार,शनिवार
18 मई 2024
वर्ष: 46
अंक: 28 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

खाई में गिरा ट्रक, चालक की मौत

नई टिहरी : ऋषिकेश-बदरीनाथ राजमार्ग पर शुक्रवार को महादेव चट्टी के समीप एक ट्रक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। दुर्घटना में चालक की मृत्यु हो गयी। जबकि ट्रक मालिक बाहर कूद गया, जिससे उसकी जान बच गयी। ट्रक ऋषिकेश से कर्णप्रयाग जा रहा था। थाना प्रभारी महिपाल सिंह रावत ने बताया कि सुबह करीब साढ़े 7 बजे कौड़ियाला के निकट महादेव चट्टी में ट्रक बेकाबू होकर गंगा नदी की ओर खाई में गिर गया। जिसमें 40 वर्षीय चालक जगमोहन सिंह पुत्र स्व. शेर सिंह निकट आईटीआई कर्णप्रयाग ट्रक के साथ ही गहरी खाई में जा गिरा। गहरी चोटें आने से चालक की मौके पर ही मृत्यु हो गयी। वहीं ट्रक मालिक चंदन सिंह पुत्र दरबान सिंह ग्राम जिस्यारा कर्णप्रयाग ट्रक को गिरते देख बाहर कूद गया, जिससे उसकी जान बच गयी। सूचना पर थाना प्रभारी महिपाल रावत, एसआई महेंद्र सिंह राणा मौके पर पहुंचे। बछेलीखाल चौकी पुलिस व एसडीआरएफ व्यासी की टीम ने काफी मशक्कत के बाद मृत चालक का शव खाई से निकालकर सड़क तक लाया गया। पुलिस ने शव को पीएम के लिए श्रीनगर अस्पताल भेज दिया। (एजेंसी)

आज खुलेंगे बाबा रुद्रनाथ के कपाट

चमोली : उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्रों में स्थित देवाधिदेव महादेव के पांच पवित्र केदारनाथ में एक रुद्रनाथ के कपाट आज शनिवार को ब्रह्म मुहुर्त में विधि विधान के साथ खोले जायेंगे। कपाट खुलने से पूर्व भगवान रुद्रनाथ के गुफा मंदिर को भव्य रूप में फूलों से सजाया गया है। भगवान रुद्रनाथ की उत्सव विग्रह डोली रुद्रनाथ मार्ग पड़ाव ल्वींटी से शुक्रवार को अपराह्न 1 बजे रुद्रनाथ पहुंची। (एजेंसी)

संदेशखाली में ही अपना कैंप ऑफिस खोलेगी सीबीआई

कोलकाता ,केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) भूमि कब्जा, जबरन वसूली और महिलाओं के यौन उत्पीड़न मामले की जांच के लिए पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में एक कैंप ऑफिस खोलेगी। सूत्रों ने कहा कि कैंप ऑफिस की सुरक्षा के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों की दो प्लाटून संदेशखाली में तैनात की जाएगी।

कैंप ऑफिस खोलने से जांच की गति में तेजी आएगी। सीबीआई अधिकारियों को रोजाना कोलकाता से संदेशखाली आना-जाना नहीं पड़ेगा।

इससे स्थानीय लोग शिकायत दर्ज करा सकते हैं, खास कर वो लोग जो ईमेल से शिकायत दर्ज नहीं करा पाते। स्थानीय लोग कोलकाता जाने के बजाय कैंप ऑफिस में ही अपनी शिकायतें ले कर आ सकते हैं। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि शिकायतों को भौतिक रूप से दाखिल करने की प्रक्रिया के अलावा ई-फाइलिंग की व्यवस्था भी जारी रहेगी।साथ ही, सीबीआई अधिकारी कैंप ऑफिस में ही गवाहों या संदिग्धों से पूछताछ कर सकेगी।सूत्रों ने बताया कि यह निर्णय इन आरोपों के बाद लिया गया है कि स्थानीय महिलाओं पर यौन उत्पीड़न की शिकायतें वापस लेने का दबाव है। चूंकि सीबीआई अधिकारी ग्राउंड जीरो से काम करेंगे, इससे पीड़ितों के बीच विश्वास पैदा करने में मदद मिलेगी, जबकि पीड़ितों को होने वाले खतरों से भी काफी हद तक बचा जा सकेगा।

विदेश यात्रा का टिकट भी हो गया बुक खटाखट-खटाखट, पीएम मोदी का राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर तंज

फतेहपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें बताया गया है कि लोकसभा चुनाव के बाद विदेश यात्रा के लिए उनके टिकट बुक हो गए हैं। प्रधानमंत्री ने फतेहपुर में एक रैली में कहा, "पंजे और साइकिल के सपने टूट गए, खटाखट खटाखट, अब 4 जून के बाद की प्लानिंग हो रही है कि हार का ठीकरा किसपर फोड़ा जाए, खटाखट खटाखट, मुझे तो कोई बता रहा था कि विदेश यात्रा का टिकट भी बुक हो गया है, खटाखट खटाखट।"

पीएम मोदी ने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का कोई अस्तित्व नहीं है।

चारधाम यात्रा:मोर्चे पर मुखिया, सुधरे हालात

● उत्तरकाशी के बड़कोट में ग्राउंड जीरो पर पहुंचे सीएम ● इस बार कपाट खुलने के पहले ही दिन लगभग दोगुनी संख्या में आए श्रद्धालु

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : चारधाम यात्रा के शुरुआती चरण में उमड़ रही अप्रत्याशित भीड़ के बावजूद राज्य की धामी सरकार पूरी मुस्तैदी के साथ हर चुनौती से पार पाने के लिए अग्रिम मोर्चे पर डटी है। मुख्यमंत्री धामी, बीते रोज चुनावी दौरे को लेकर हरियाणा में थे, लेकिन वे बगैर देर किए एकाएक इस दौरे को बीच में छोड़ देहरादून स्थित सचिवालय पहुंचे और उच्चाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इसका नतीजा यह रहा कि 24 घंटे बीतने से पहले ही अब यात्रा सुगम व सुचारू रूप से चल रही है। टीम धामी के कई आला अधिकारी पहले से चारधाम यात्रा मार्गों पर डटे हुए हैं। इस बीच, शुक्रवार सुबह उन्होंने फिर सचिवालय में अपने अधिकारियों के साथ बैठक की और सीधा ग्राउंड जीरो पर जायजा लेने के लिए बड़कोट रवाना हो गए।

चार धामों के 10 मई व 12 मई को कपाट खुलने के बाद से इस बार यात्रियों की संख्या नया रिकॉर्ड बना रही है। दूसरी तरफ, यात्रियों की सुगम, सुरक्षित व निर्बाध यात्रा हेतु धामी सरकार संकल्पबद्ध है। गौरतलब है कि गत वर्ष जब कपाट यमुनोत्री धाम के कपाट खुले थे तो कुल 6,838 श्रद्धालु आए थे, जबकि इस वर्ष कपाट खुलने वाले दिन 12,193 यात्री आये। यानी दोगुना संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इसी तरह केदारनाथ धाम में गत वर्ष कपाट खुलने पर 18,335 तो इस वर्ष लगभग 75 प्रतिशत ज्यादा लगभग 29 हजार श्रद्धालु मौजूद रहे। कुल मिलाकर अनुमान से कहीं ज्यादा श्रद्धालु चार धाम में पहुंच रहे हैं, जिस कारण शुरुआती दिनों में कुछ परेशानियां हुई, लेकिन इन्हें भी दूर करने के लिए पर्याप्त कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी के निर्देशों पर पहले ही उनके सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम से लेकर अन्य अधिकारियों को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग जिलों में तैनात किया गया है। इसका नतीजा यह हुआ कि स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर चीजों को व्यवस्थित करने में मदद मिली।

इधर, वीरवार को सीएम धामी हरियाणा में चुनावी दौरे पर थे लेकिन हालातों की नाजुकता को भांपते हुए धामी दोपहर में ही देहरादून पहुंच गए और यहां उच्च स्तरीय बैठक ली।

सीएम ने बैठक में स्पष्ट कहा कि बगैर पंजीकरण के आ रहे यात्रियों को लौटाया जाए, परिवहन विभाग इसकी जगह जगह चेकिंग करे। धामों की क्षमता के लिहाज से ही यात्रियों को भेजा जाए और जहां उन्हें होल्ड करने की आवश्यकता पड़ रही है वहां उन्हें मूलभूत सुविधाएं जैसे भोजन, पानी, पार्किंग इत्यादि प्रदान की जाए। सीएम धामी द्वारा ली गयी इस बैठक का असर यह हुआ कि 24 घंटे बीतने से पहले ही तमाम स्थानों पर अब यात्रा काफी हद तक सुचारू रूप से संचालित हो रही है। यहां तक कि बड़ी संख्या में पहुंच रहे यू ट्यूबर को लेकर भी दिशा निर्देश जारी किए गए कि धामों के 50 मीटर के दायरे में रील बनान प्रतिबंधित रहेगा। वहीं, शुक्रवार सुबह फिर सीएम धामी सचिवालय पहुंचे और बगैर देर किए उन्होंने अफसरों के साथ सारे हालातों की समीक्षा की और जरूरी निर्देश देने के साथ ही खुद भी ग्राउंड जीरो का हाल देखने के लिए बड़कोट रवाना हो गए।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि इस बार अप्रत्याशित भीड़ जरूर धामों में उमड़ रही है लेकिन टीम एफर्ट के जरिये यात्रा को व्यवस्थित कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है और इसमें स्थानीय निवासियों, प्रशासन के सहयोग से व्यवस्थाओं को सुचारू किया जा रहा है।

स्वाति मालीवाल मारपीट मामला

बयान दर्ज करवाने पहुंचीं तीस हजारी कोर्ट,कल हुई थी एफआईआर

नई दिल्ली ,मारपीट मामले में आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज करवाने दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट पहुंचीं।पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद कल उन पर हुए हमले के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एफआईआर में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार का नाम शामिल है। स्वाति ने दावा किया है कि विभव कुमार ने उन्हें बार-बार थप्पड़ मारे और उनके पेट पर मुक्के भी मारे।सूत्रों ने कहा, स्वाति ने आगे कहा कि हमले के दौरान सीएम केजरीवाल आवास के अंदर थे और उन्हें घटना की पूरी जानकारी थी।स्वाति की शायद शुक्रवार को मेडिकल जांच कराई जाएगी। इसके साथ ही, बिभव कुमार को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शुक्रवार सुबह 11 बजे व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए बुलाया है।इससे पहले, गुरुवार को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने स्वाति का बयान दर्ज किया था।पुलिस सूत्रों ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (विशेष शाखा) प्रमोद कुमार कुशवाह अन्य अधिकारियों के साथ गुरुवार दोपहर स्वाति के घर पहुंचे और वहां करीब साढ़े चार घंटे बिताए।बाद में स्वाति ने भी एक्स पर लिखा कि उन्होंने सोमवार को मुख्यमंत्री केजरीवाल के आधिकारिक आवास पर उन पर हुए कथित हमले के संबंध में दिल्ली पुलिस को अपना बयान दर्ज कराया है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, मेरे साथ जो हुआ, वह बहुत बुरा था।

पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन की याचिका पर 20 मई तक ईडी से जवाब मांगा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उस याचिका पर 20 मई तक ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) से जवाब मांगा है, जिसमें सोरेन ने मौजूदा लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए कोर्ट से अंतरिम जमानत देने का अनुरोध किया है। सुनवाई के दौरान ईडी ने सोरेन की याचिका का विरोध किया और दलील दी कि उन्हें आम चुनाव की तारीखों की घोषणा से काफी पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। कार्यवाही के दौरान जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की बेंच ने ईडी से सोमवार (20 मई) तक संक्षिप्त जवाब दाखिल करने के लिए कहा और मामले की अगली सुनवाई के लिए 21 मई (मंगलवार) की अगली तारीख तय की। सुनवाई के दौरान कोर्ट में सोरेन का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मिसाल देते हुए कोर्ट से सोरेन के मामले में भी वैसी ही समानता दिखाने का अनुरोध किया। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद केजरीवाल को 10 मई को सुप्रीम कोर्ट द्वारा लोकसभा चुनाव में राजनीतिक प्रचार के लिए 22 दिन की अंतरिम जमानत दे दी गई थी। सिब्बल ने कोर्ट को इस बात का आश्वासन दिया कि यदि सोरेन को अंतरिम जमानत दी जाती है तो वे भी दो जून को झारखंड के जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर देंगे।

भारत के विकास पर संयुक्त राष्ट्र की मुहर, बोला- चीन से ज्यादा पसंद कर रहे निवेशक

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विदेशी निवेश बढ़ने की बात कही है। साथ ही यूएन का यह भी कहना है कि पश्चिमी देशों की कंपनियों के लिए भारत पहली पसंद बन गया है, जिसके चलते भारत की आर्थिक प्रगति काफी अच्छी हुई है। इस दौरान 2024 के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी से जुड़े आंकड़े भी जारी किए गए। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था इस साल 7 फीसदी की रफ्तार से बढ़ सकती है।

गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग के प्रमुख हामिद राशिद ने कहा कि भारत को अन्य पश्चिमी स्रोतों से भारत में आने वाले अधिक निवेश से भी लाभ हो रहा है। पत्रकारों से हुई बातचीत में उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि कंपनियां चीन पर कम भरोसा जता रही हैं। भारत कई पश्चिमी कंपनियों के लिए एक वैकल्पिक निवेश स्रोत या गंतव्य बन गया है।

प्लास्टिक फ्री श्री केदारनाथ की दिशा में बढ़े कदम

दो प्लास्टिक वेंडिंग मशीन यात्रा मार्ग पर की गई स्थापित

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : प्लास्टिक फ्री श्री केदारनाथ धाम की मुहीम के अंतर्गत जिला प्रशासन ने निजी संस्था के सहयोग से इस बार यात्रा मार्ग पर दो प्लास्टिक वेंडिंग मशीन स्थापित की हैं।

एक मशीन गौरीकुंड जबकि दूसरी केदारनाथ धाम परिसर में स्थापित की गई है। इस मशीन में यात्री अपनी क्यूआर कोड वाली बोतल जमा कर दस रुपये रिफंड प्राप्त कर सकते हैं। यह रिफंड डिजिटल माध्यम से यूपीआई के जरिये प्राप्त हो सकेगा। श्री केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग में स्वच्छता बनाने एवं पर्यावरण की

दृष्टि से जिला प्रशासन की ओर से अभिनव पहल की गई है। दरसअल, यहां पर यात्रा मार्ग में दो स्थानों पर प्लास्टिक वेंडिंग मशीन स्थापित की गई है। गत वर्ष ट्रायल के रूप में एक मशीन धाम के यात्रा मार्ग पर लगाई गई थी जिसे अब आगे बढ़ाते हुए यात्रा मार्ग पर इस बार दो प्लास्टिक वेंडिंग मशीन लगाई गई हैं। उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल शुक्ला ने बताया कि गौरीकुंड के अलावा केदारनाथ धाम परिसर में यह मशीनें लगाई गई हैं।

संपादकीय

हजारों वृक्षों पर संकट

उत्तराखंड राज्य के वजूद में आने के बाद यहां विकास तो हुआ लेकिन इस विकास में उत्तराखंड का प्राकृतिक सौंदर्य भी कहीं ना कहीं प्रभावित हुआ है। खास तौर से महानगरों के विकास में जिस प्रकार से पेड़ों की बलि चढ़ाई गई उसने देहरादून सहित कई महानगरों के भौगोलिक संतुलन में भी सामान्य पैदा की है। राजधानी देहरादून की बात करें तो यहां बसने की चाह ने जंगलों से लेकर हरे-भरे दूसरे स्थान पर आरियां चलवाई है। कई ऐसे क्षेत्र हैं जो कभी हरियाली से आच्छादित नजर आते थे वहां अब कंक्रीट के जंगल बन चुके हैं। हाल ही में देहरादून को पर्यावरण की दृष्टि से एक हरियाली भरा इलाका समझे जाने वाली सहस्त्रधारा रोड में हजारों की संख्या में पेड़ों की बलि चढ़ा कर सड़क का चौड़ीकरण किया गया,अब इसके कारण पूरा क्षेत्र वृक्ष विहीन हो चुका है। अब एक बार फिर खलांगा क्षेत्र में हजारों वृक्षों को काटने की तैयारी चल रही है जिसका पर्यावरण प्रेमियों ने विरोध शुरू कर दिया है। वृक्षों को छू कर उन पर नंबरिंग कर दी गई है जिससे स्थानीय लोग भी स्तब्ध हैं। असल में इन वृक्षों को काटने का अभी प्रस्ताव भी सरकार के पास नहीं गया है और इससे पहले ही वृक्षों पर नंबर डालने से कई सवाल पैदा खड़े हो गए हैं। राजधानी निर्माण के बाद देहरादून को पर्यावरण की दृष्टि से सर्वाधिक नुकसान हुआ है खासतौर से मसूरी का निचला क्षेत्र जहां कभी हरे भरे वन नजर आते थे वहां अब बिल्डरों का साम्राज्य नजर आता है। इसी तरह प्रॉपर्टी डीलर एवं बिल्डरों ने राजधानी के दूसरे क्षेत्रों में भी खेतों व जंगलों को काटकर बड़े-बड़े फ्लैट खड़े कर दिए हैं। एक लंबे समय से उत्तराखंड में भू कानून की मांग की जा रही है और यदि समय पर इस महत्वपूर्ण कानून को लागू किया जाता तो देहरादून जैसे दूसरे बड़े नगरों की यह दुर्दशा देखने को नहीं मिलती। कंक्रीट के जंगलों का निर्माण अभी भी निर्बाध गति से चल रहा है और निर्माण के लिए अपनाए जाने वाले नियम कानून को पूरी तरह से ताक पर रखा जाता है। ऐसे ही हालात रहे तो आने वाले दिनों में शायद वन क्षेत्र भी ना बचे। सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह हरियाली आच्छादित क्षेत्र को बिल्डरों के प्रकोप से बचाए।

सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना होगा

साल 2016 के मार्च महीने में जेट एयरवेज की छह फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। अप्रैल, 2023 में डिफेंस कॉलोनी स्थित इंडियन स्कूल में हॉक्स कॉल मिली थी। आये दिन देश के किसी न किसी कोने से ऐसी घटनाएं अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं। ऐसी ही कई घटनाएं हुई जिनमें अज्ञात लोगों द्वारा सरकारी तंत्र, स्कूल, कॉलेज को मेल बम, कॉल बम के जरिए धमकाने का काम किया गया। हालांकि ईमेल बम या कॉल बम की धमकी अधिकांशतः जांच-पड़ताल में फर्जी अफवाह फैलाने तक सीमित पाई गई। ईमेल बम और कॉल बम के अतिरिक्त कई अन्य माध्यमों से भी शैक्षणिक संस्थानों को निशाना बनाया जाता है। शैक्षणिक संस्थाओं पर साइबर हमले किए जा रहे हैं। साइबर थ्रेट टार्गेटिंग द ग्लोबल एजुकेशन सेक्टर नामक रपट में दावा किया गया है कि भारतीय शैक्षणिक संस्थानों पर साइबर हमलों की आशंका सबसे ज्यादा है। हालांकि अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश भी साइबर आक्रमण-प्रवण हैं। शैक्षणिक संस्थाओं पर साइबर हमले के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो पिछले महीने दक्षिण मुंबई स्थित एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल में ईमेल के जरिए साइबर धोखाधड़ी से 87.26 लाख ठगने का काम किया गया।

हालिया दिनों में साइबर हमलों के मामले में शिक्षा संस्थान सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। एक अध्ययन के मुताबिक पिछले साल अप्रैल और जून के बीच शिक्षा क्षेत्र को सात लाख से अधिक साइबर हमलों का सामना करना पड़ा।

अजय प्रताप सिंह

देश इन दिनों चुनावी माहौल में डूबा हुआ है। इस बीच कुछ आपराधिक संगठन या अराजक तत्वों द्वारा राजधानी दिल्ली और दिल्ली से सटे कई शहरों के करीब सौ स्कूलों में धमकी भरा ईमेल भेजा गया।

इसमें इन शैक्षणिक संस्थाओं को निशाना बनाते हुए बम से उड़ाने की धमकी दी गई। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों की गहन जांच-पड़ताल में यह अफवाह साबित हुई हैं।

इससे पहले दिसम्बर, 2023 में बेंगलुरु के करीब 44 स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। पुष्प विहार स्थित एमिटी इंटरनेशनल स्कूल में फरवरी, 2024 में ईमेल बम की धमकी से हडकंप मच गया था। पिछले साल मई में मथुरा रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल को धमकी भरा ईमेल मिला था। ईमेल बम और कॉल बम की घटनाएं आम होती जा रही हैं।

साल 2016 के मार्च महीने में जेट एयरवेज की छह फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। अप्रैल, 2023 में डिफेंस कॉलोनी स्थित इंडियन स्कूल में हॉक्स कॉल मिली थी। आये दिन देश के किसी न किसी कोने से ऐसी घटनाएं अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं। ऐसी ही कई घटनाएं हुई जिनमें अज्ञात लोगों द्वारा सरकारी तंत्र, स्कूल, कॉलेज को मेल बम, कॉल बम के जरिए धमकाने का काम किया गया। हालांकि ईमेल बम या कॉल बम की धमकी अधिकांशतः जांच-पड़ताल में फर्जी अफवाह फैलाने तक सीमित पाई गई।

ईमेल बम और कॉल बम के अतिरिक्त कई अन्य माध्यमों से भी शैक्षणिक संस्थानों को निशाना बनाया जाता है। शैक्षणिक संस्थाओं पर साइबर हमले किए जा रहे हैं। ह्यसाइबर थ्रेट टार्गेटिंग द ग्लोबल एजुकेशन सेक्टरह्न नामक रपट में दावा किया गया है कि भारतीय शैक्षणिक संस्थानों पर साइबर हमलों की आशंका सबसे ज्यादा है। हालांकि अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश भी साइबर आक्रमण-प्रवण हैं। शैक्षणिक संस्थाओं पर साइबर हमले के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो पिछले महीने दक्षिण मुंबई स्थित एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल में ईमेल के जरिए साइबर धोखाधड़ी से 87.26 लाख ठगने का काम किया गया।

हालिया दिनों में साइबर हमलों के मामले में शिक्षा संस्थान सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। एक अध्ययन के मुताबिक पिछले साल अप्रैल और जून के बीच शिक्षा क्षेत्र को सात लाख से अधिक साइबर हमलों का सामना करना पड़ा। साल 2022 के शुरु आती महीनों में वैश्विक स्तर पर शैक्षणिक संस्थानों पर साइबर हमले अधिक हुए। पिछले साल कुल साइबर हमलों में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारतीय शैक्षणिक संस्थानों को 58 फीसद निशाना बनाया गया।

इनमें देश के विभिन्न ऑनलाइन शैक्षणिक संस्थान और प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान, तकनीकी शिक्षा निदेशालय भी शामिल थे। हॉर्वर्ड विश्वविद्यालय और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी साइबर रैंसमवेयर हमले से नहीं बच पाए हैं। देश में तेजी से डिजिटलाइजेशन की ओर बढ़ते शिक्षण संस्थानों में साइबर हमलों की घटनाएं बढ़ रही हैं। भारत समेत पूरी दुनिया के शैक्षणिक संस्थानों को रैंसमवेयर वॉयस ने घेर रखा है। वैश्विक महामारी कोविड-19 के बाद साइबर खतरे तेजी बढ़े हैं। शैक्षणिक संस्थानों में ऐसी अफवाह फैलाने वालों का उद्देश्य क्या हो सकता है? क्या वे इन संस्थानों के आधार को कमजोर करना चाहते हैं, या अभिभावकों और छात्रों को शिक्षा के प्रति भयभीत करने का इरादा है।

ईमेल बम से छात्रों, अध्यापकों और अभिभावकों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है, ऐसे लोगों का मकसद कुछ भी हो सकता है। देश के शैक्षणिक संस्थानों को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। इस प्रश्न का जवाब तो सुरक्षा एजेंसियों के पास भी नहीं मिलेगा। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि शैक्षणिक संस्थान ईमेल बम, कॉल बम और विभिन्न साइबर हमलों को लेकर कितने मुस्तैद हैं। केंद्र और राज्य स्तर पर सभी शैक्षणिक संस्थानों को अपने यहां बाह्य और आंतरिक अपराध निवारण कक्ष का निर्माण करना चाहिए।

शिक्षण संस्थानों की वेबसाइट, ईमेल अड्रेस के साथ ही सभी संपर्क लिंक को केंद्र और राज्यों के मुख्य साइबर अपराध निवारण केंद्र से लिंक करना चाहिए। स्कूल-कॉलेजों में स्वचालित सॉफ्टवेयर स्कैन और ईमेल फिल्टर सॉफ्टवेयर का उपयोग करना चाहिए ताकि किसी भी संदिग्ध संदेश या कॉल से बचा जा सके। स्कैन और फिल्टर सॉफ्टवेयर निर्धारित करेगा कि कौन-सा कॉल, ईमेल उपयोगी है और कौन-सा अनुपयोगी। अनुपयोगी ईमेल और कॉल को ब्लॉक करके मुख्य अपराध निवारण केंद्र तक सचूना पहुंचाई जा सकती है। ग्रामीण इलाकों के स्कूल-कॉलेजों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना होगा। शिक्षण संस्थानों में ईमेल बम, कॉल बम और विभिन्न साइबर अपराधों को लेकर सप्ताह में एक बार जागरूकता बढ़ाने की कवायद अवश्य की जानी चाहिए।

पीओके में बढ़ता जा रहा है जनता का गुस्सा

विवेक शुक्ला

जब हमारी कश्मीर घाटी में लोकसभा चुनाव का प्रचार जारी है, तब पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के बहुत बड़े हिस्से में अवाम सड़कों पर है। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर से मात्र 130 किलोमीटर दूर पीओके की राजधानी मुजफ्फराबाद और मीरपुर जैसे प्रमुख शहर में जनता सरकार से दो-दो हाथ करना चाहती है। जनता पीओके सरकार और देश की संघीय सरकारों से अपना हक मांग रही है। पीओके में जब आंदोलन चल रहा है, तब भारत के लोकसभा चुनाव की कैंपेन में पीओके का जिक्रहो रहा है। भाजपा नेता एवं गृहमंत्री अमित शाह ने बीते रविवार कहा कि पीओके भारत का है, हम उसे लेकर रहेंगे। पीओके को भारत में मिलाने को लेकर भारतीय संसद का एक अहम प्रस्ताव भी है।

पीओके की बिगड़ती स्थिति के कारण पाकिस्तान के रहनुमाओं की रातों की नींद उड़ गयी है। पाकिस्तान तो भारत के जम्मू-कश्मीर पर बार-बार अपना दावा करता है, पर दुनिया देख रही है कि उसके कब्जे वाला कश्मीर जल रहा है। पीओके का अवाम बिजली की भारी-भरकम बिलों और आटे के आसमान छूते दामों के कारण नाराज है। सोशल मीडिया के दौर में पीओके की जनता देख रही है कि भारत के कश्मीर के लोग कम से कम बिजली के बिलों या आटे की आसमान छूती कीमतों के कारण तो नाराज नहीं है। वहां अन्य मसले हो सकते हैं, पर कुल मिलाकर जीवन सुकून भरा है। पीओके में ताजा हिंसक आंदोलन का तात्कालिक कारण है कि पाकिस्तान सरकार ने आटे की कीमतों को कम करने की मांग को मानने से इंकार कर दिया है। बिजली के बिल कम करने पर तो सरकार आंदोलनकारियों से बात करने को वैसे भी तैयार नहीं है। दरअसल, पीओके में बवाल तब शुरू हुआ जब अवामी एक्शन कमेटी ने आठ मई, 2023 को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किये थे। इससे पहले, बीते वर्ष अगस्त में बिजली बिल पर नये कर लगाने से स्थिति बिगड़ने लगी थी। करों के विरोध में मुजफ्फराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू किया जिन्हें स्थानीय व्यापारियों का समर्थन मिला। प्रदर्शन जल्दी ही रावलकोट और मीरपुर जिलों तक फैल गया। बीते वर्ष 17 सितंबर को मुजफ्फराबाद में एक बैठक के बाद आवामी एक्शन कमेटी ने आंदोलन को राज्यव्यापी करने का निर्णय लिया। इसके बाद पीओके में बिजली बिल जलाये जाने लगे। इससे नाराज सरकार ने कई आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया, पर जनता के दबाव में उन्हें रिहा कर दिया गया। इसके बाद आंदोलनकारियों की तरफ से सरकार को 10 सूत्रीय मांगों की सूची सौंपी गयी। जिसमें आटे पर सब्सिडी और बिजली बिलों में कमी की मांगें शामिल थीं। पर सरकार इन मांगों को मानने के लिए तैयार नहीं हुई। इससे नाराज आवामी एक्शन कमेटी ने मुजफ्फराबाद स्थित पीओके विधानसभा तक मार्च करने का आह्वान किया। नौ मई को डोडियाल में एक डिप्टी कमिश्नर पर उस समय हमला हुआ जब उन्होंने भीड़ को तितर-बितर करने के आदेश दिये। दस मई को पीओके के प्रदर्शनकारी मुजफ्फराबाद की ओर मार्च करने निकले, जिससे गंभीर झड़पें हुईं। एक आला पुलिस अफसर की मौत हो गयी। इसके बाद से ही पीओके के मुख्यमंत्री अनवर उल हक सरकार को जनता के गुस्से से दो-चार होना पड़ रहा है। फिलहाल लगता तो यही है कि आवामी एक्शन कमेटी का अपनी मांगों के समर्थन में चल रहा आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक उनकी मांगें नहीं मान ली जाती। हां, सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच रावलकोट में बातचीत फिर से शुरू जरूर हो गयी है।

आखिर जंगल की आग कब बुझेगी?

ज्ञानेंद्र रावत

उत्तराखंड के जंगलों की आग थमने का नाम नहीं ले रही है। राज्य के सभी पर्वतीय जिले आग की चपेट में हैं। चाहे गढ़वाल का क्षेत्र हो या कुमाऊं का, अलकनंदा भूमि संरक्षण वन प्रभाग हो, लैंसडाउन हो, चंपावत हो, अल्मोड़ा हो, पिथौरागढ़ हो या फिर केदारनाथ प्रभाग, सभी धधक रहे हैं। अभी तक राज्य में आग की लगभग 575 से अधिक घटनाओं में 689। 89 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि जलकर खाक हो चुकी है। इससे निपटने के लिए सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। एनडीआरएफ की टुकड़ी भी आग बुझाने और बचाव कार्य में जुटी है। वायु सेना के हेलीकॉप्टर पानी की बौछार करने में लगे हुए हैं।

राज्य के सभी टाइगर रिजर्व में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। पिथौरागढ़ में अस्कोट मृग अभयारण्य के जंगल, गैरसैंण में आयुर्वेदिक अस्पताल, जीआइसी भी आग से नहीं बचे हैं। सैकड़ों की तादाद में अखरोट, सेब, अमरूद समेत दर्जनों फलदार पेड़ आग की समिधा बन गये हैं। गोचर में सिरकोट, बाभनटिका, धुंधला और गौरीछाल के जंगल भी आग से धधक रहे हैं। यहां के कूंचा, कनाली छीना के सतगढ़, कंचनपुर तोक में जंगल की आग ने घरों तक को नहीं बख्शा है। पातालदेवी की आग ने जंगल ही नहीं, रिह्मयशी इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। बैजनाथ रेंज के गैरलैख, पुरड़ा, अमोल और धौलादेवी ब्लॉक वन पंचायत, छल्ली, पनुवानौला, धन्या, बातकुना तथा धमरधर व पौड़ी बैंड के पास के जंगल अब भी धधक रहे हैं। गोपेश्वर के सिरोसिणजी जंगल का आधे से अधिक हिस्सा स्वाहा हो गया है। चंपावत में ऋंतेश्वर के जंगल भी राख हो चुके हैं। यहां मकान भी आग से नहीं बचे हैं। डीडीहाट की भी यही स्थिति है। टनकपुर में आग के कारण बस्ती और जंगल धधक रहे हैं। पहाड़पानी, दीनी पंचायत, धारी के जंगल अब भी सुलग रहे हैं। नैनीताल में आग से आकाश में नीली धुंध छाई हुई है। वन विभाग के कर्मचारियों को पानी के टैंकर, एयर

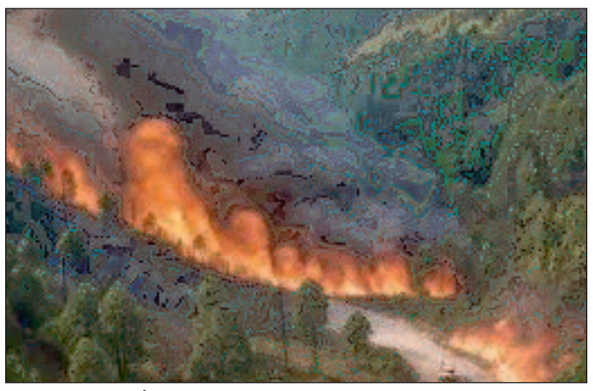

ब्लोअर, मशीनों और आग बुझाने के उपकरणों से लैस किया गया है।

वास्तव में, उत्तराखंड के जंगलों में शुष्क मौसम, मानवीय गतिविधियों, बिजली गिरने और जलवायु परिवर्तन के कारण हर वर्ष बार-बार आग लगने की घटनाएं होती हैं। विदित हो कि उत्तराखंड के पहाड़ चीड़ के जंगलों से भरे पड़े हैं। आग का सबसे बड़ा कारण चीड़ के पेड़ से निकला पिरूल है। इसके अतिरिक्त, चीड़ के पेड़ से निकलने वाला लीसा नामक तरल पदार्थ भी आग लगने पर पेट्रोल की तरह तेजी से फैलता है। चीड़ का पेड़ विशेषकर सूखे या शुष्क भूमि पर उगता है, जहां पानी की जरूरत नहीं होती। वह मिट्टी की पकड़ को ढीली कर वहां के पानी के स्रोत को समाप्त कर देता है। गर्मी में इसकी पत्तियां इतनी तेजी से आग पकड़ती हैं कि मिनटों में भयावह हो जाती हैं। वहीं जरा सी मानवीय भूल भी पहाड़ों में आग लगने का कारण बन जाती हैं। यह मौसम पहाड़ों पर खेतों की साफ-सफाई का होता है। किसान खेतों की सफाई कर घास आदि को इकट्ठा कर उसमें आग लगा देते हैं। तेज हवा के चलते आग एक के बाद दूसरे जंगल तक फैल जाती है। इससे न केवल जन-धन की भारी हानि होती है, हजारों-लाखों हेक्टेयर जंगल भी स्वाहा हो जाते हैं। हरित संपदा, जैव विविधता, कीट-पतंगे, वन्य जीव सहित असंख्य प्रजातियां आग में समिधा बन जाती हैं। आग का असर पहाड़ की आजीविका पर भी पड़ता है। ध्वस्त हो चुके ढांचे को पुनः खड़ा करने में प्रशासन-सरकार को हर वर्ष करोड़ों की राशि खर्च करनी पड़ती है सो अलग।

आग में चीड़ और पिरूल की अहम भूमिका को देखते हुए काफी समय से पहाडों पर बांज के पेड़ लगाये जाने की मांग हो रही है। पर सरकारें इसे लेकर उदासीन रही हैं। बांज के पेड़ उत्तराखंड में समुद्र तल से 1800 मीटर की ऊंचाई पर पाये जाते हैं। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा वृक्ष है जो वायुमंडल से नमी खींचकर भूमि तक पहुंचाता है। इसी कारण बांज जहां-जहां पाये जाते हैं, वहां पानी भरपूर मात्रा में होता है। प्राकृतिक असंतुलन के दौर में जब पानी के स्रोत लगातार सूखते जा रहे हैं, बांज के पेड़ लगाना समय की मांग है। इसकी पत्तियां बरसात के पानी को तेजी से बहने से रोकती हैं। इससे पानी को जमीन के अंदर जाने का अधिक समय मिलता है। जंगल की आग को लेकर चिंता गहराती जा रही है, क्योंकि इस वर्ष बीते वर्ष की तुलना में आग लगने की कहीं अधिक घटनाएं हुई हैं। वर्ष 2023 के मार्च व अप्रैल में जंगल में आग की 784 घटनाएं हुई थीं, जबकि इस वर्ष मार्च व अप्रैल में कुल 6,295 घटनाएं हुई हैं। और तो और, इस वर्ष आबादी वाले इलाकों में भी आग की घटनाएं बढ़ी हैं। हल्द्वानी में तो आग से हवा में जहर घुल रहा है जिससे लोग सांस लेने में दिक्कत महसूस कर रहे हैं। वर्ष 2023 में सर्वाधिक प्रभावित जिले नैनीताल, चंपावत, अलमोड़ा, पौड़ी व पिथौरागढ़ थे।

डबल इस्मार्ट का दमदार टीजर रिलीज, आमने-सामने नजर आए राम पोथिनेनी और संजय दत्त

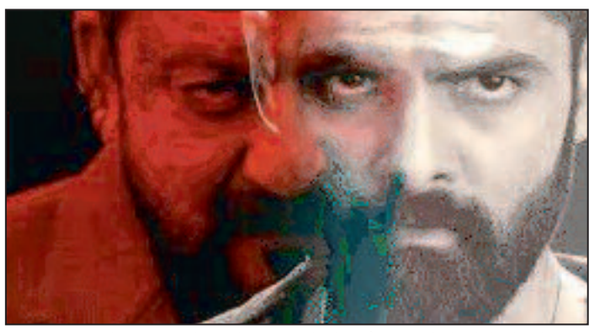

साउथ अभिनेता राम पोथिनेनी और संजय दत्त की बहुप्रतीक्षित फिल्म डबल इस्मार्ट इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कुछ जानकारियां देने के बाद हाल ही में निर्माताओं ने फिल्म के ट्रेलर को लेकर भी बड़ा अपडेट दिया था। वहीं अब आखिरकार अभिनेता राम पोथिनेनी के जन्मदिन पर फैंस को बड़ा तोहफा मिला है। आज फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है।निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए खुलासा किया था कि वे अभिनेता के जन्मदिन पर फिल्म का टीजर जारी करेंगे। वहीं उन्होंने वादा पूरा करते हुए फैंस को बड़ा तोहफा दिया। टीजर की बात करें तो एक मिनट 26 सेकंड के वीडियो में राम पोथिनेनी और संजय दत्त की दमदार झलक देखने को मिली। शंकर के अवतार में दिखे राम पोथिनेनी के कुछ फाइट सीक्वेंस भी हैं।

टीजर में बिग बुल बने संजय दत्त का नया अवतार देखने को मिला। तेलुगु भाषा में टीजर जारी किया गया है। शंकर का मुकाबला बिग बुल यानी संजय दत्त से होता है। वीडियो में दोनों दो-दो हाथ करते हुए भी दिखे। इसके साथ निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है। पोस्टर में राम पोथिनेनी के चेहरे के बीच संजय दत्त के चेहरे की झलक दिखाई गई है।टीजर जारी करते हुए निर्माताओं ने लिखा, एक्शन, मनोरंजन और सामूहिक उत्साह की दोहरी खुराक को प्रज्वलित करते हुए। उस्ताद राम पोथिनेनी, संजय दत्त और पुरी जगन्नाध को नए अवतार में पेश कर रहे हैं। टीजर जारी हो गया है। हैप्पी बर्थडे राम पोथिनेनी। डबल इस्मार्ट के जरिए निर्देशक पुरी जगन्नाध और अभिनेता राम पोथिनेनी दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म में संजय दत्त महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। फिल्म की शूटिंग कुछ दिन पहले मुंबई में शुरू हुई थी।इस हाई-वोल्टेज एक्शन एंटरटेनर के लिए हॉलीवुड सिनेमैटोग्राफर जियानी जियानेली भी काम कर रहे हैं। डबल इस्मार्ट तकनीकी रूप से बड़े बजट पर बनाया जा रहा है। निर्माता जल्द ही फिल्म के अन्य कलाकारों और क्रू का खुलासा करेंगे।

जैरी रोम में सितसिपास को हराकर पहले एटीपी 1000 सेमीफाइनल में

रोम, निकोलस जैरी ने छठी वरीयता प्राप्त और 2022 के फाइनलिस्ट स्टेफानोस सितसिपास को 3-6, 7-5, 6-4 से हराकर इटालियन ओपन में अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इंफोसिस एटीपी स्टैट्स के अनुसार, 28 वर्षीय ने दो घंटे और 38 मिनट के थ्रिलर के दौरान मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन किया, जिसके दौरान उन्होंने 13 में से 11 ब्रेक प्वाइंट का सामना किया। रोम में लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सितसिपास की खोज को विफल करने के लिए, चिली के खिलाड़ी ने बेसलाइन से अथक शक्ति का प्रदर्शन किया, जिसमें 166 किलोमीटर प्रति घंटे की जोरदार सर्विस सहित 23 फोरहैंड विनर्स शामिल थे। शुक्रवार को सेमीफाइनल में जैरी का सामना 14वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल से होगा।

जेम्स एंडरसन के बाद भी जीवन होना चाहिए: एंड्रयू स्ट्रॉस

लंदन, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने कहा है कि अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन, जो जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के बाद संन्यास लेने वाले हैं, सर्वकालिक महान गेंदबाजों में से एक हैं, लेकिन उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि टीम को अपनी गेंदबाजी लाइन-अप में उनके बाद एक जीवन की जरूरत है। शनिवार को, एंडरसन ने घोषणा की कि वह 10 जुलाई से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाले लॉर्ड्स टेस्ट के बाद संन्यास ले लेंगे, जिससे खेल के सबसे लंबे प्रारूप में उनके लंबे समय से चले आ रहे शानदार करियर का अंत हो जाएगा, उन्होंने 2003 में अपने पदार्पण के बाद से इंग्लैंड के लिए 187 कैप अर्जित किए हैं। इस साल की शुरुआत में, मार्च में धर्मशाला में इंग्लैंड के भारत दौरे के पांचवें और अंतिम मैच के दौरान एंडरसन शेन वार्न और मुथैया मुरलीधरन के बाद 700 टेस्ट विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले तीसरे गेंदबाज बने – किसी भी तेज गेंदबाज द्वारा सबसे अधिक। एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड के एक साल से भी कम समय में रिटायर होने का मतलब है कि इंग्लैंड के पास टेस्ट गेंदबाजी लाइन-अप के मामले में बहुत बड़ी कमी है। अब और अगली एशेज के बीच हमें केवल निश्चित संख्या में ही कार्यक्रम (वेस्टइंडीज के खिलाफ एंडरसन की विदाई सहित 18) मिले हैं, और यहां तक कि खुद जिमी भी स्वीकार करेंगे कि अगली एशेज लंबी खिंचती दिख रही है।

पंचायत सीजन 3 का ट्रेलर हुआ रिलीज, एक बार फिर हंस-हंसकर लोटपोट होने के लिए रहें तैयार

पंचायत एक ऐसी सीरीज के जिसका पहले सीजन के बाद इतना बज क्रिएट हो गया था कि इसके दूसरे सीजन का फैंस को बेसब्री से इंतजार था. दूसरा सीजन भी हिट रहा और अब तीसरा सीजन आने वाला है. पंचायत सीजन 3 और भी मजेदार होने वाला है. इसका ट्रेलर रिलीज हो गया है. तीसरे सीजन में अलग ही लेवल की राजनीति नजर आ रही है. फुलेरा गांव दो भागों में बंटा नजर आ रहा है.पंचायत 3 का ट्रेलर काफी मजेदार है. गांव की राजनीति के बीच सचिवजी और रिंकी के बीच थोड़ी सा लगाव या फ्लर्ट नजर आने वाला है. जो देखने में काफी मजेदार होने वाला है. क्योंकि अभी तक दोनों सीजन में इन दोनों का प्लॉट साथ में ज्यादा नहीं दिखाया गया था.

ट्रेलर की शुरुआत सचिवजी की वापसी से होती है. उनका ट्रांसफर कैंसिल हो जाता है और वो फुलेरा वापस आ जाते हैं. फुलेरा वापस आते टाइम वो सोचकर आते हैं कि गांव की फालतू की राजनीति का हिस्सा नहीं बनेंगे बनराकस के होते हुए ऐसा हो सकता है क्या बनराकस इस सीजन में अलग ही खेल खेलने वाला है. वो विधायक के साथ मिलकर प्रधानजी को हराकर वहां से हटाना चाहता है. साथ ही गांव के लोगों को भडक़ा रहा है. इस बीच सचिवजी और प्रधानजी की फैमिली मिलकर इस सारे खेल से कैसे बाहर आती है और इसके बीच में कैसे हंसी का डोज मिलता है इसके लिए तो 28 मई तक का इंतजार करना पड़ेगा.पंचायत का सीजन 3 अमेजॉन प्राइम पर 28 मई को रिलीज होने जा रहा है. शो में नीना गुप्ता, जितेंद्र कुमार, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय समेत कई कलाकार अहम किरदार निभाते नजर आने वाले हैं. इस सीरीज को दीपक कुमार मिश्रा ने डायरेक्ट किया है. इसका ट्रेलर 17 मई को रिलीज होने वाला था लेकिन 2 दिन पहले रिलीज करके फैंस को मेकर्स ने सरप्राइज दे दिया है.

फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का पहला गाना देखा तेनू जारी

करण जौहर की अपकमिंग फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का शानदार ट्रेलर पहली दर्शकों के दिलों पर छा गया है. राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर स्टार स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म लंबे समय से चर्चा में हैं और अब बहुत जल्द रिलीज होने जा रही है, लेकिन इससे पहले फिल्म का पहला गाना देखना तेनू आज 15 मई को रिलीज हो गया है. सॉन्ग देखना तेनू में राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर के बीच खूबसूरत लव कैमिस्ट्री देखने को मिल रही है. करण जौहर ने इस गाने की जानकारी देते हुए अपने पोस्ट में लिखा था, यह गाना हर किसी के दिल में गूंजेगा, एक छोटी सी मुस्कान के साथ, यह शुद्ध प्यार से भरा है और जो कि पहले भी हो चुका है, यह गाना मेरे दिल के बेहद करीब है, और बहुत जल्द आपके सामने होगा.

आईसीसी नॉकआउट मैचों में दबाव से निपटने भारत को समाधान खोजने की जरूरत: मिस्बाह

नई दिल्ली, आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत का संघर्ष दुनिया से छिपा नहीं है। इसी को ध्यान में रखकर वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले ब्लॉकबस्टर टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने भारतीय टीम का समर्थन किया। पिछले साल के वनडे विश्व कप में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घुटने टेकने तक भारत टूर्नामेंट में अजेय रहा। भारत ने एमएस धोनी के नेतृत्व में 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से कोई भी आईसीसी खिताब नहीं जीता है। वह पिछले तीन साल में दो मौकों पर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने से चूक गए। फिर, टी20 विश्व कप के पिछले संस्करण में मेन इन ब्लू को सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा और उनका अभियान समाप्त हो गया। हालांकि, मेगा इवेंट में भारत के इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज ने जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी के नेतृत्व वाले भारत के मौजूदा तेज आक्रमण को दिया, साथ ही भारतीय क्रिकेट की गुणवत्ता की भी प्रशंसा की। मिस्बाह-उल-हक ने कहा, यह अब एक अलग भारतीय टीम है, बहुत शक्तिशाली गेंदबाजी लाइनअप के साथ एक कुशल टीम। बल्लेबाजी हमेशा मजबूत रही है, लेकिन उनकी तेज गेंदबाजी की गुणवत्ता ने वास्तव में उनके खेल को ऊपर उठाया है। इतना क्रिकेट खेलने से उन्हें एक्सपोजर मिलता है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। इसे तोडऩे के लिए, विरोधी टीमों को बहुत प्रयास करने की जरूरत होती है, जो एक कठिन काम है। उदाहरण के लिए ऑस्ट्रेलिया को देखें। उन्होंने अपनी मजबूत मानसिक क्षमता से इनमें से अधिकांश बाधाओं को पार कर लिया है। जैसे ही बड़े मैच और दबाव की स्थिति पैदा होती है, वे शांत रहने में कामयाब होते हैं। 2009 टी20 विश्व कप चैंपियन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत करने के बावजूद भारत टूर्नामेंट को शानदार तरीके से खत्म करने में पीछे रहा। मिस्बाह ने कहा, इसके विपरीत, पाकिस्तान, भारत और अन्य एशियाई टीमों को अपनी विशाल आबादी और उच्च उम्मीदों से भारी दबाव का सामना करना पड़ता है। यह दबाव प्रदर्शन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है।

एक नजर

सरोजनी बनी पीटीए अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैरवाड़ी में शुक्रवार को अभिभावक अध्यापक एसोसिएशन का गठन किया गया। जिसमें सरोजनी देवी को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। प्रभारी प्रधानाचार्य अकील अहमद ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि स्कूल में अधिक से अधिक संख्या में बच्चों को प्रवेश दिलाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। अभिभावकों ने बोर्ड परीक्षा में स्कूल के शतप्रतिशत परीक्षा परिणाम को लेकर खुशी जताई। इस मौके पर मेहरबान सिंह भंडारी, मातबर सिंह, अर्जुन सिंह नेगी, राजीव रावत, पुष्पा असवाल, लक्ष्मी खत्री, अब्बल सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

गैरसैंण में उच्च न्यायालय स्थापित करने की मांग

चमोली : स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और मुख्यमंत्री को तहसील के माध्यम से ज्ञापन भेजकर ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में उच्च न्यायालय की बैंच स्थापित करने की मांग की है। ज्ञापन में बताया कि कि गैरसैंण प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी के साथ ही गढ़वाल और कुमायू के मध्य स्थित है। यहां अनेक स्थानों पर जैसे भराड़ी सैंण, बेनीताल, रिठिया, नागाजुर्न सैंण, पंचाली, सिलकोट पज्याणाखाल आदि स्थानों पर पर्याप्त मात्रा भूमि और अन्य संसाधन मौजूद हैं। ज्ञापन में बताया गया है गैरसैंण को प्रदेश की स्थाई राजधानी बनाए जाने का भी समय आ गया है। ऐसे में यहां उच्च न्यायालय की बैंच स्थापित करना तर्कसंगत होगा। ज्ञापन में अध्यक्ष बार संघ कुंवर सिंह बिष्ट, प्रमुख शशि सोरियाल, निर्वतमान नगर पंचायत अध्यक्ष पुष्कर रावत, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष गंगा पंवार, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष हीरा फनियाल, कस्तूरा देवी, पूर्व प्रमुख जानकी रावत, रामचंद्र गौड़, दिनेश गौड़, मंगल नारायण, पृथ्वी बिष्ट, कमला बिष्ट, कुसुमलता आदि कई जनप्रतिनिधियों के हस्ताक्षर किए हैं। (एजेंसी)

धामों में प्लास्टिक सामग्री का उपयोग न करे

चमोली : रुद्रनाथ उत्सव यात्रा के अवसर पर ग्वाड़ गांव के जाख देवता मंदिर में रुद्रनाथ की डोली पहुंची। इस अवसर पर डाली लगोला जीवन बचोला अभियान के पर्यावरण प्रेमी सुधीर तिवारी और रुद्रनाथ पुजारी आचार्य वेद प्रकाश भट्ट ने चरण पादुका गोथल समिति के सौजन्य से पौधरोपण किया। ग्वाड़ गांव के नवयुवक दल अध्यक्ष पुष्कर सिंह बिष्ट, देवेंद्र सिंह बिष्ट, अलकनंदा वन प्रभाग के कुंवर सिंह रावत, समाजसेवी प्रवीण भट्ट, गिरधर जोशी ने जल जंगल जमीन और पर्यावरण बचाने का अनुरोध करते हुए यात्रियों से अपील में कहा रुद्रनाथ सहित तीर्थ यात्रा में कहीं पर भी प्लास्टिक सामग्री का उपयोग न करें। (एजेंसी)

बैडमिंटन में विभागों की 45 टीमें दिखाएंगी दम

देहरादून। उत्तराखंड सचिवालय बैडमिंटन क्लब की ओर से नौवीं राज्य स्तरीय अंतर विभागीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार से परेड ग्राउंड स्थित मल्टीपरपज हॉल में किया जाएगा। शुक्रवार को ऑफिसर्स ट्रांजिट हॉस्टल रेसकोर्स में हुई पत्रकार वार्ता में क्लब के महासचिव प्रमोद कुमार ने यह जानकारी दी।कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों की 45 टीमें और करीब 300 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। नॉकआउट आधार पर होने वाली प्रतियोगिता में टीम इवेंट, ओपन पुरुष एकल, युगल, महिला एकल–युगल के मुकाबले खेले जाएंगे। टीम इवेंट, एकल और युगल के मुकाबले बेस्ट ऑफ थ्री के आधार पर खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में पहली बार महिला एकल–युगल मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख सचिव शहरी विकास आरके सुधांशु और विशिष्ट अतिथि के रूप में सचिव उच्च शिक्षा शैलेश बगौली करेंगे। इस दौरान क्लब के अध्यक्ष पन्ना लाल शुक्ल, जेपी मैखुरी, पुष्कर सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

राज विहार में आग : मकान में सामान जला

देहरादून। चकराता रोड, राज विहार कॉलोनी में एक मकान में शुक्रवार सुबह आग लग गई। सूचना पर वसंत विहार थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग लगने का प्राथमिक कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।दुबई में रहने वाले सचिन गुप्ता का वर्षों पुराना मकान चकराता रोड एफआरआई परिसर के सामने स्थित राज विहार कॉलोनी में है। उन्होंने मकान की देखभाल की जिम्मेदारी अपने रिश्तेदार सचिन गर्ग निवासी सीमाद्वार को दी हुई है।

केवल गोखले मार्ग पर नजर, इस अतिक्रमण पर नहीं जा रहा ध्यान

झंडाचौक, स्टेशन रोड, देवी रोड व गंगादत्त जोशी मार्ग पर सड़क तक सजी हैं दुकानें

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भले ही सरकारी सिस्टम गोखले मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करवाने के लिए पूरी सख्ती दिखा रहा हो।

लेकिन, हकीकत यह है कि शहर की अन्य सड़कों पर बढ़ रहे अतिक्रमण ने आमजन की मुश्किलें बढ़ाना शुरू कर दिया है। सफेद पट्टी के बाहर सजी दुकानों के कारण आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सबसे बुरी स्थिति झंडाचौक के समीप गंगादत्त जोशी मार्ग व स्टेशन रोड की बनी हुई है। कोटद्वार शहर में अतिक्रमण की समस्या नासूर बनती जा रही है। सड़क पर सजी दुकानों के कारण आमजन को हर समय दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। वाहनों को निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिलने से हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। अतिक्रमण हटाओ अभियान के नाम पर सरकारी सिस्टम को केवल गोखले मार्ग की रेहड़ी-ठेली ही नजर आती हैं। जबकि, बड़े व्यापारियों के अतिक्रमण को देखने के बाद भी सिस्टम आंखें मूंद लेता है। जाम लगने की स्थिति में यदि कोई वाहन चालक सामान हटाने को कहता है तो व्यापारी उल्टा विवाद करने लगते हैं। पूर्व में शहरवासियों ने इसकी शिकायत अधिकारियों से भी की थी। लेकिन, अधिकारियों ने समस्या को गंभीरता से नहीं लिया।

कोटद्वार के गंगादत्त जोशी मार्ग पर सड़क में सजी दुकानें

यहां हो रही समस्या

सुमन मार्ग पर दोपहिया वाहनों के गैराज चल रहे हैं। वे आधी सड़क घेरकर बाइक की मरम्मत करते रहते हैं। सीओएसडी कैंटीन मार्ग पर गढ़वाल टाकीज से सीएसडी कैंटीन गेट के पास तक सड़क के दोनों ओर चार पहिया वाहनों के गैराज बने हुए हैं। जिला परिषद मार्केट में अतिक्रमण की होड़ लगी हुई है। जिला परिषद द्वारा लोगों के चलने के लिए दुकानों के बाहर फुटपाथ बनाया गया था। दुकानदार फुटपाथ पर अतिक्रमण करने के बाद अब सड़क पर कब्जा कर रहे हैं। गंगादत्त जोशी मार्ग में सड़क के दोनों ओर आधी सड़क तक सजी दुकानों के कारण वाहन चलाना तो दूर पैदल चलना तक दूभर हो जाता है। यहां दुकानदारों ने कपड़ों, जूतों और कास्मेटिक की दुकानें खोल रखी हैं।

मानकों की अनदेखी कर संचालित हो रहे स्कूली बस

यातायात पुलिस ने अभियान चलाकर बसों के खिलाफ की कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में स्कूली बस मानकों की अनदेखी कर संचालित हो रहे हैं। हालत यह है कि अधिकांश बसों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया जा रहा है। ऐसे में शुक्रवार को पुलिस ने बसों को रुकवाकर उनके खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने स्कूली बसों में लगे अग्निशमन उपकरण व दवा बॉक्स की भी जांच की। जिसमें अधिकांश अग्निशमन उपकरण व दवाओं की ओवरडेट हो चुकी थी।

कोटद्वार में स्कूली बसों में लगे अग्निशमन उपकरण की जांच करती पुलिस

मालूम हो कि, कुछ दिन पूर्व पुलिस ने नाबालिग बच्चों के स्कूल आवागमन के लिए प्रयोग किए जा रहे दोपहिया वाहन को लेकर सख्ती दिखाई थी। जिसके तहत पुलिस ने अभिभावकों को भी बच्चों को वाहन न देने की सख्त चेतावनी दी थी। अगले दिन अभियान चलाते हुए पुलिस ने कई दोपहिया वाहनों को सीज भी किया था। इसके बाद अब पुलिस स्कूली बसों के खिलाफ भी सख्ती दिखाने लगी है। पुलिस ने जगह-जगह स्कूली बसों को रोककर उनके दस्तावेजों की जांच भी की। कई बसों में क्षमता से अधिक बच्चे बैठे हुए दिखाई दिए। पुलिस ने पांच से अधिक बसों का चालान करते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के सख्त निर्देश दिए। कहा कि बच्चों की सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मसूरी के वार्ड सात की मतदाता सूची में भी मिली बड़े पैमाने पर गड़बड़ी

देहरादून। नगर पालिका मसूरी की मतदाता सूची पर शुक्रवार को तीसरे दिन भी एसडीएम ने सुनवाई की। इस दौरान अकेले वार्ड सात में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां पाई गईं। यश गुप्ता की ओर से 533 नामों पर आपत्ति जताई गई है, इनमें से 58 लोग ही साक्ष्यों के साथ सुनवाई में पहुंचे। इनमें भी 13 लोग ऐसे थे, जिनके नाम आसपास की ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची में भी दर्ज हैं। एसडीएम डॉ. दीपक सैनी ने आपत्तियों की सुनवाई के बाद पत्रकारों को बताया कि सुनवाई में जिन लोगों के नाम को लेकर आपत्ति लगाई गई थी, इनमें 45 लोगों की ओर से पर्याप्त साक्ष्य देने पर आपत्ति खारिज कर दी गई। जबकि इस वार्ड में अभी 13 लोगों के नाम आसपास के ग्राम पंचायत की सूची में दर्ज मिले हैं। इन्हें दस दिन के भीतर नगर पालिका या फिर ग्राम पंचायत किसी एक मतदाता सूची से नाम कटवाने का मौका दिया गया। वहीं, 475 लोगों की ओर से सुनवाई में अपना पक्ष नहीं रखा गया है। हाईकोर्ट के निर्देश पर मसूरी में मतदाता सूची पर दर्ज आपत्तियों पर सुनवाई की जा रही है। इनमें अकेले वार्ड सात में 533 लोगों के नामों को लेकर स्थानीय निवासी यश गुप्ता ने आपत्ति दर्ज कराई हैं। एसडीएम ने कहा कि जिन लोगों के नाम पर आपत्ति है और वह शुक्रवार को सुनवाई में अपना पक्ष नहीं रख पाए हैं तो उन्हें अगले तीन दिन में साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। सुनवाई के बाद नगर पालिका की मतदाता सूची तैयार करने के साथ ही इसमें कितने गलत और कितने सही नाम दर्ज थे,

सुरक्षा दीवार निर्माण के लिए हटाया जाएं जर्जर भवन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कौड़िया क्षेत्र में सुरक्षा दीवार निर्माण में जर्जर हालत में खड़े भवन बाधा बन रहे हैं। वार्ड नंबर सात के निवर्तमान पार्षद सुभाष पांडेय ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते हुए सुरक्षा दीवार निर्माण के लिए जर्जर भवनों को हटवाने की मांग की है। कहा कि निर्माण कार्य कर रहे श्रमिकों को जर्जर भवन से खतरा बना हुआ है। समस्या के संबंध में सुभाष पांडेय ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। बताया कि गत वर्षा काल में पनियाली गदेरे ने क्षेत्र में खूब तांडव मचाया। गदेरे का पानी आबादी में पहुंच गया था, जिससे क्षेत्रवासियों को काफी नुकसान हुआ। बताया कि वर्तमान में बाढ़ से बचाव के लिए सुरक्षा दीवार निर्माण का कार्य चल रहा है। लेकिन, गदेरे के नजदीक खड़े एक जर्जर भवन के कारण निर्माण कार्य में बाधा आ रही है। यह भवन भी बाढ़ के कारण जर्जर हो गया था। बताया कि भवन स्वामी से इसे हटाने के लिए भी कह चुके हैं। लेकिन, वह इसे हटाने के लिए तैयार नहीं है। कहा कि बाढ़ सुरक्षा दीवार का कार्य बेहतर हो इसके लिए उक्त भवन को मौके से हटाया जाना अति आवश्यक है।

गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही विकराल हो रही पेयजल समस्या

शहर में अधिकांश वार्डों में पेयजल किल्लत तो कहीं लोप्रेसर बढ़ा रहा समस्या

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दिन-प्रतिदिन गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही शहर में पेयजल समस्या भी विकराल होती जा रही है। कहीं पानी की बूंद तक नहीं टपक रही तो कहीं लो प्रेसर उपभोक्ताओं की समस्या बढ़ा रहा है। समस्या के कारण लोगों को पानी की तलाश में इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। शिकायत के बाद भी जल संस्थान व अधिकारी लापरवाह बने हुए हैं।

कोटद्वार में शायद ही कोई ऐसा वार्ड हो जहां पेयजल समस्या न दिखाई दें। जिन वार्डों में पानी आ भी रहा है, वहां इतना कम फोर्स है कि परिवारों को पर्याप्त पानी तक नहीं मिल पा रहा है। मोटाढांक, शिवराजपुर सहित भाबर के कई स्थानों पर एक माह बाद भी पेयजल की बेहतर आपूर्ति नहीं हो पाई है। सिताबपुर क्षेत्र में केवल आधे घंटे के लिए ही पेयजल आपूर्ति की जा रही है। ऐसे में कई वार्डवासी बाजार से पेयजल टैंकर मंगवाने को मजबूर हो रहे हैं। पेयजल समस्या के कारण परिवारों की दिनचर्या भी प्रभावित होने लगी है। वार्डवासियों का पूरा दिन केवल पानी की तलाश में ही बीत रहा है। दरअसल, साठ के दशक में घर-घर जल पहुंचाने के लिए क्षेत्र में पेयजल लाइन बिछाई गई थी। उस समय क्षेत्र की जनसंख्या करीब दस से बीस हजार थी। लेकिन, समय के साथ जनसंख्या बढ़ती चली गई और आज भी पानी साठ के दशक में बिछाई गई पेयजल लाइनों से ही सप्लाई किया जा रहा है। नतीजा, बूढ़ी हो चुकी पेयजल लाइनों से घरों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। पेयजल की बेहतर व्यवस्था के लिए पुरानी पेयजल लाइनों को बदला जाना चाहिए।

पानी की तलाश में भटकते लोग

विद्यार्थियों को दी परख की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन के रूप में पब्लिक इण्टर कालेज सुरखेत में छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन साप्ताहिक परख अभ्यास कार्यक्रम से जोड़ने के लिए उन्हें परख की जानकारी दी गयी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने जानकारी देते हुए बताया कि परख राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत विद्यार्थियों के सम्प्राप्ति स्तर का मूल्यांकन करने हेतु एनसीईआरटी का एक स्वायत कार्यक्रम है। इसका पूरा नाम परफारमेंस एसेसमेंट रिव्यू एंड एनालिसिस ऑफ नालेज फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट है अर्थात् समग्र विकास के लिए प्रदर्शन, मूल्यांकन, समीक्षा और ज्ञान का विश्लेषण करना है। उन्होंने बताया कि साप्ताहिक परख अभ्यास घर पर सीखने आधारित अभ्यास है। परख कार्यक्रम में पंजीकरण करके विद्यार्थी प्रत्येक सप्ताह घर बैठे ऑनलाइन अपनी कक्षा के सभी विषयों की जानकारी प्राप्त करके अपनी संप्राप्ति स्तर का मूल्यांकन कर सकते हैं।

विद्यालयी शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड द्वारा सभी जनपदों को प्रत्येक सप्ताह के परख अभ्यास कार्यक्रम का लिंक उपलब्ध करवाया जाता है।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षको ने अपनी-अपनी कक्षा के विद्यार्थियों को परख कार्यक्रम में पंजीकरण करवाने में मदद की।

विद्यालय में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

पंडित अभय रुस्तम की संतूर प्रस्तुति ने मोहा मन

देहरादून। स्पिक मैके की ओर से शुक्रवार को आर्यन स्कूल में प्रसिद्ध पंडित अभय रुस्तम सोपोरी ने संतूर का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान स्कूल में संगीत और शिक्षा के मिश्रण ने छात्रों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पंडित सोपोरी के साथ तबले पर चंचल सिंह और पखावज पर ऋषि शंकर उपाध्याय ने संगत की।

इस अवसर पर पंडित सोपोरी ने अपनी तकनीकों को दर्शाते हुए छात्रों को संगीत के इतिहास और लोकाचार के बारे में बताया और वाद्ययंत्रों के बारे में चर्चा भी करी।

प्रस्तुति के दौरान पंडित सोपोरी ने छात्रों के साथ संतूर के बारे में रोचक जानकारी साझा करते हुए कहा कि संतूर ईरान से नहीं आया है। यह एक स्वदेशी कश्मीरी वाद्य है, और इसे शत तंत्री वीणा के रूप में भी जाना जाता है। तारों को बजाने वाली लकड़ी की पट्टियों को कलम कहा जाता है। इस मौके पर आर्यन स्कूल के प्रिंसिपल बी. दासगुप्ता सहित कई लोग मौजूद रहे।

खैरालिंग कौथीग 6 जून से, 25 मई से होगी खेल प्रतियोगिताएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिले की अस्वालस्यूं पट्टी में लगने वाले खैरालिंग मेले में इस बार भी पशुबलि नहीं होगी। दो दिवसीय मेले में सात्विक रूप से ध्वजाएं चढ़ाई जाएंगी। 6 और 7 जून को मेला आयोजित किया जायेगा। इस मेले में 25 मई से खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी शुरू हो जाएगा। मेले में साफ सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था के लिए समिति की बैठक 19 मई को मेला परिसर में आयोजित होगी। जय खैरालिंग महादेव मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल नेगी और सचिव विवेक नेगी ने बताया कि इस बार दो दिवसीय मेले के पहले दिन जात को नवयुवक मंगल दल थैर, मिरचोड़ा व पवसोला गांव से ध्वजाएं चढ़ाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि क्रिकेट व वॉलीबाल की प्रतियोगिता में ग्राम स्तर की टीमें ही प्रतिभाग कर पाएंगी। 25 मई को ग्राम सभा सांगुड़ा के खेल मैदान पवेथा में क्षेत्रीय विधायक राजकुमार पोरी द्वारा खेल प्रतियोगिताओं का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। दो दिवसीय मेले में 7 जून को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। समिति के अध्यक्ष ने जिला प्रशासन से मेले में व्यवस्था बनाने के लिए पुख्ता सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की अपील की। मेले में क्षेत्र के अलावा पूरे जिले और प्रवासी श्रद्धालु बड़ी संख्या में शिरकत करते हैं।

बैडमिंटन में उत्तराखंड ने जीते चार पदक

देहरादून। गोवा में 10 से 17 जून तक आयोजित योनेक्स सनराइज आल इंडिया सब जूनियर बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट में उत्तराखंड ने दो गोल्ड, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता।उत्तरांचल स्टेट बैडमिंटन संघ के सचिव बीएस मनकोटी ने बताया कि अंडर–17 आयु वर्ग में पिथौरागढ़ की एंजल पुनेठा और देहरादून की आन्या बिष्ट की जोड़ी को गर्ल्स डबल्स, जबकि पिथौरागढ़ के निष्चल चंद और देहरादून के सूर्यांश रावत की जोड़ी ने ब्वाइज डबल्स में स्वर्ण पदक जीता। वहीं, सूर्यांश रावत को सिंगल्स में रजत और निष्चल चंद को सिंगल्स में कांस्य पदक मिला।

जल्द ही नए स्वरूप में आएगा नजर प्रवेश द्वार डायजर

नई टिहरी : नगर क्षेत्र का प्रवेश द्वार डाइजर जल्द ही नए स्वरूप में नजर आएगा। इसके सौंदर्यीकरण के लिए टीएचडीसी ने स्वीकृति दे दी है। चुनाव आचार संहिता के बाद कार्य की निविदा जारी की जाएगी। इसके बाद डायजर में पर्यटन गतिविधियां बढ़ेंगी। नई टिहरी शहर का एंट्री प्वाइंट डायजर जल्द ही नए कलेवर में दिखेगा। जिसके लिए टीएचडीसी इंडिया ने करीब 1.50 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। जल्द ही निविदा जारी कर कार्य शुरू कराए जाएंगे। टीएचडीसी के अधिशासी निदेशक एलपी जोशी ने बताया कि डाइजर के सौंदर्यीकरण के लिए डीएम/पुनर्वास निदेशक मयूर दीक्षित ने कुछ सुझाव देकर यहां पर कार्य कराने को कहा था। जिसके बाद टीएचडीसी की सर्वे टीम ने स्थलीय निरीक्षण किया। ईडी ने बताया कि डाइजर में प्लेटफार्म, नाला ट्रीटमेंट, गजीबो, पाथ वे सहित कई आकर्षक कार्य कराए जाएंगे। डाइजर तिराह पर चंबा से नई टिहरी, कलक्ट्रेट कार्यालय आवागमन का प्रमुख केंद्र है। यहां पर नगर पालिका ने शिवमूर्ति लगाई हुई है। साथ ही नई टिहरी के देवीधार पिकनिक स्पॉट के लिए भी जाने का रास्ता है। पिकनिक स्पॉट के सौंदर्यीकरण के लिए पर्यटन विभाग कई कार्य करवा रहा है। अब डाइजर का सौंदर्यीकरण होने के बाद यहां पर पर्यटन गतिविधियां बढ़ने की संभावना है।

स्काउट के बिगिनर्स कोर्स सम्पन्न

नई टिहरी : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शुक्रवार को तीन दिवसीय स्काउट एवं गाइड बिगिनर्स कोर्स का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कोर्स के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि डायट प्राचार्य हेमलता भट्ट ने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनायें देते हुए प्रशिक्षण को जीवन में उतारने की अपील की। कोर्स में प्रशिक्षुओं को ध्वज शिष्टाचार और विभिन्न प्रकार की रस्सियों की गांठे, झंडा गीत, प्राथमिक चिकित्सा, टोली निर्माण के नियम एवं कैंप फायर आदि सिखाये गये। इस मौके पर कार्यक्रम में भारत स्काउट एवं गाइड की ओर से केएल शाह, गाइड कैप्टन जसोदा नेगी, यूआईडी विशेषज्ञ आदित्य नारायण, सुमन नेगी, निर्मला शाह, डा. वीर सिंह रावत, शुभम डोभाल, अमित राणा, विवेक, मोहिनी नेगी, रणजीत आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

30 वर्ष से अधिक उम्र के लोग उच्च रक्तचाप पर ध्यान दें

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर ह्लअपने रक्तचाप को नापें, नियंत्रित करें तथा दीर्घायु बनेंह्व थीम को लेकर बाल विकास परियोजना कार्यालय पौड़ी में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों हेतु जनजागरुकता गोष्ठी व स्वास्थ्य परिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में उच्च रक्तचाप के कारण, लक्षण व उससे बचाव व नियंत्रण के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में डॉ. शशांक उनियाल ने बताया कि जब रक्त धमनियों में सामान्य से अधिक दबाब से प्रवाहित होता है तो ऐसी स्थिति में उच्च रक्तचाप की समस्या पैदा होती है जो कि हार्टअटैक, ब्रेन स्ट्रोक, डिप्रेशन, एंग्जाइटी व हड्डियां कमजोर होना जैसी अन्य गंभीर बिमारियों का कारण बनता है। उन्होंने कहा कि बदलती जीवन शैली जैसे तला भुना, फास्ट फूड का ज्यादा प्रचलन व शारीरिक गतिविधियों में कमी शराब, तम्बाकू व नशीले पदार्थों का उपयोग उच्च रक्तचाप का कारण बनता है। उन्होंने कहा कि 30 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को उच्च रक्तचाप पर ध्यान देना चाहिए। गोष्ठी में जिला सलाहकार एनसीडी श्वेता गुंसाई ने जानकारी देते हुए कहा कि जनपद में सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में कार्यरत सीएचओ द्वारा 30 से अधिक उम्र के लोगों की बीपी, शुगर आदि की नियमित जांच के साथ ही स्वास्थ्य परामर्श भी दिया जाता है। इसलिए सभी लोगों को अपनी नियमित जांच कराते रहना चाहिए। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। विश्व रक्तचाप दिवस पर जनपद के समस्त आयुष्मान आरोग्य में जनजागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर बाल विकास परियोजना अधिकारी पौड़ी आशा, काउंसलर दुर्गा नेगी, आंगनबाड़ी कार्यकत्री अर्चना रमोला, मीनाक्षी जोशी, शोभा रावत, संगीता, अर्पणा राणा सहित अन्य उपस्थित थे।

विश्व में भारत को अग्रणी स्थान दिलायेगी नई शिक्षा नीति : प्रो. सकलानी

नई टिहरी : गढ़वाल विवि के एसआरटी परिसर बादशाहीथौल में शुक्रवार को नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एनसीईआरटी के निदेशक प्रो. डीपी सकलानी ने कहा कि नई शिक्षा नीती विश्व में भारत को अग्रणी स्थान दिलाने के साथ ही भारत के विश्व गुरु बनने का रास्ता भी अग्रसर करेगी। शुक्रवार को आयोजित कार्यशाला में प्रो. सकलानी ने कहा कि आज जहां पूरे विश्व में नई शिक्षा नीति आरंभ होने से शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं, वहीं अब सभी राज्य के स्कूलों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों का कर्तव्य है कि इस शिक्षा नीति का अध्ययन कर इसके अनुरूप पाठ्यक्रमों को तैयार कर पाठ्य पुस्तकें बच्चों के लिए उपलब्ध कराए। नई शिक्षा नीती का लाभ नई पीढ़ी को तत्परता से देने का काम करें। शिक्षा के क्षेत्र में भारत विश्व गुरु बनने जा रहा है। इसमें नई शिक्षा नीती की भूमिका अहम है। समय-समय पर इसमें बदलाव की भी आवश्यकता है। जिसके लिए एनसीईआरटी पूरे देश में सेमिनारों और कार्यशालाओं के आयोजन में विभिन्न विषय विशेषज्ञों की मदद से विचार-विमर्श के साथ सुझाव देकर नई शिक्षा नीती को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है। नई शिक्षा नीती के आने वाले समय में असरदार प्रभाव होगा। कार्यशाला में परिसर के निदेशक प्रो. एए बौड़ाई ने प्रो. सकलानी को शाल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

कहा कि नई शिक्षा नीती में प्रो. सकलानी जैसे लोगों के मार्गदर्शन में काम तेजी से पूरे देश में किया जा रहा है। शिक्षा का नवाचार होना जरूरी है। जिसके लिए नई शिक्षा नीती में व्यापक संभावनायें हैं। कार्यशाला में प्रो. सुनीता गोदियाल, प्रो. डीएस कैंतुरा, डा. विशाल गुलरिया, प्रो. एनके अग्रवाल ने भी नई शिक्षा नीती पर अपनी बात रखी।

डीएम ने चारधाम यात्रा का लिया जायजा

नई टिहरी : चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर शुक्रवार को डीएम मयूर दीक्षित ने भद्रकाली में परिवहन विभाग की चेकिंग पोस्ट, पर्यटक पुलिस सहायता केंद्र का निरीक्षण किया। मौके पर उन्होंने वाहन चेकिंग रजिस्टर भी देखा। वहीं सुबह से यात्रा पर भेजे गए और वापसी वाले वाहनों की जानकारी ली। डीएम ने एआरटीओ को बगैर रजिस्ट्रेशन के कोई भी वाहन आगे ना भेजने और बिना हेलमेट वाले दोपहिया वाहन चालकों के चालान करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को डीएम मयूर ने पर्यटक पुलिस सहायता केंद्र में गंगोत्री, यमनोत्री, बदरीनाथ और केदारनाथ यात्रा पर भेजे गए वाहनों और तिथि से पहले आए वाहनों को वापस भेजने की जानकारी ली। डीएम ने लोनिवि के अधिकारियों को पर्यटक पुलिस सहायता केंद्र में यात्री चेकिंग टेंट काउंटर, टेबिल बढ़ाने के निर्देश दिए। वहीं एएसपी जेआर जोशी को ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने, प्लान के अनुसार वाहनों का आवागमन करने के निर्देश दिए। कहा कि जाम किसी भी हालात में न लगे। यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखें। यही नहीं डीएम ने चारधाम श्रद्धालुओं से बातचीत भी की।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. Elect/TRD/MB/2024-25/TN-03 दिनांक : 17.05.2024

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं.	T-01-TRD-MB-24-25
कार्य का नाम	एमबी डिवीजन (चरण–III) में क्षतिग्रस्त ओएचई का संवर्द्धन और विभिन्न जम्परों का उन्नयन।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	10.06.2024, 15:00 Hrs.
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	रु. 3,39,85,292.50/- (Including GST)
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹)	रु. 3,19,900/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (₹)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 Days
कार्य पूरा करने की अवधि	18 Months
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद

1512/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

पदमश्री माधुरी ने राज्यपाल को भेंट की 'मांगल' पुस्तक

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से शुक्रवार को राजभवन में पद्मश्री डॉ. माधुरी बड़थ्वाल ने शिष्टाचार भेंट की। डॉ. बड़थ्वाल ने राज्यपाल को स्वलिखित पुस्तक गढ़वाल के संस्कार लोकगीत ह्यूंमांगल भेंट की। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि डॉ. बड़थ्वाल महिला सशक्तिकरण की प्रेरणास्त्रोत हैं। मांगल पुस्तक के लिए सराहना करते हुए कहा कि यह पुस्तक संगीत के छात्रों के लिए बेहद उपयोगी रहेगी। उत्तराखंड का लोक संगीत और संस्कृति राज्य की पहचान है। इस अमूल्य धरोहर के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास होने चाहिएं। डॉ. बड़थ्वाल की पुस्तक से निसंदेह स्थानीय लोकगीत की जानकारी आमजन तक पहुंचेगी।

श्रीदेव सुमन विवि के कुलपति ने किया परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण

देहरादून। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्विविद्यालय के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने शुक्रवार को दून के कई केंद्रों का औचक निरीक्षण कर परीक्षा की व्यवस्थाएं देखी। हालांकि सभी जगह व्यवस्थाएं चाक चौबंद मिली। छह मई से गढ़वाल के सभी जिलों में श्रीदेव सुमन विवि की परीक्षाएं चल रही हैं। शुक्रवार को परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाएं जांचने के लिए कुलपति प्रो. एनके जोशी ने सनराईज एकेडमी रायपुर रोड व अन्य केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रश्नपत्रों की गोपनीयता एवं उत्तर पुस्तिकाओं की भी जांच की। परीक्षा केन्द्रों में सभी व्यवस्थाएं चाक–चौबंद पाई गयी। कुलपति प्रो. जोशी ने सभी महाविद्यालयों व संस्थानों को निर्देशित किया कि सीसीटीवी कैमरों से भी छात्रों की लगातार निगरानी करते रहें। उन्होने बताया कि नकल विहीन परीक्षा करवाने और समय पर परीक्षा परिणाम घोषित करना विवि की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। जिस केंद्र में नकल पायी जाएगी उसे तत्काल निरस्त किया जाएगा।

थाने में फौजी संग पत्नी और अन्य ने की गाली गलौच, मुकदमा दर्ज

देहरादून। सर्विस से जुड़े दस्तावेजों पर पत्नी के हस्ताक्षर कराने गढ़ी थाने पहुंचे फौजी के साथ मारपीट की गई। फौजी ने आरोप अपनी पत्नी और मकान मालिक परिवार पर लगाया है। घटना बीते दो अप्रैल की है। जिसमें 16 मई को गढ़ी कैंट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर कैंट गिरीश चंद शर्मा ने बताया कि नायक नरेंद्र सिंह मूल निवासी गजी घाट, चमोली आठवीं बटालियन गढ़वाल राइफल्स देहरादून में तैनात हैं। उनकी पत्नी गढ़ी कैंट क्षेत्र में किराये पर रहती है। फौजी का पत्नी से पारिवारिक विवाद चल रहा है। हाल में फौजी सेना से रिटायरमेंट लेने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए कुछ दस्तावेजों पर पत्नी के हस्ताक्षर चाहिए थे। उन्होंने बीते दो अप्रैल को पत्नी को अपने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने गढ़ी कैंट थाने बुलाया। फौजी की पत्नी अपने मकान मालिक नीतू बिष्ट, समीर बिष्ट और अर्चना बिष्ट को लेकर पहुंची। आरोप है कि थाने में फौजी की पत्नी और मकान मालिक परिवार ने गाली–गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने फौजी की पत्नी और मकान मालिक परिवार के तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डीएम और एसएसपी से की लापता इंजीनियर की तलाश करने की मांग

देहरादून। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ से जुड़े इंजीनियरों ने शुक्रवार को डीएम और एसएसपी को ज्ञापन भेजा।

उन्होंने छह दिनों से लापता चल रहे एनएच खंड देहरादून के अपर सहायक अभियंता इं. अमित चौहान की तलाश करने की मांग की है। ज्ञापन में जिला सचिव इंजीनियर आशीष यादव ने बताया कि इंजीनियर अमित चौहान को 12 मई को ठेकेदार उनके घर पर लेने आया था, लेकिन इसके बाद इंजीनियर वापस नहीं लौटे, उनका मोबाइल फोन भी स्वीच ऑफ चल रहा है। उनके पिता ने उत्तरकाशी कोतवाली में लापता होने की तहरीर दी है, लेकिन अभी तक उनका कोई पता नहीं चल पाया, जिससे उनके परिवारजन परेशान हैं। कहा कि ठेकेदार की ओर से इंजीनियर को अगवा करने की यह पहली घटना है, जिससे पूरे उत्तराखंड के इंजीनियरों में आक्रोश है। उन्होंने शीघ्र ही इंजीनियर का पता लगाने के साथ ही ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में प्रांतीय महासचिव मुकेश रतूड़ी, जिलाध्यक्ष सुरेंद्र श्रीकोटी, सीडी सैनी, अंजना डिमरी, पीवी सिंह, होशियार सिंह गुसाईं, राहुल सैनी, अमित खंडूरी आदि मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा की लगातार मॉनिटरिंग करें अधिकारी : सीएम

रजिस्ट्रेशन के अनुसार ही श्रद्धालुओं को चारधाम यात्रा की दें अनुमति

जयन्त प्रतिनिधि

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सचिवालय में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए चारधाम यात्रा से जुड़े जनपदों के जिलाधिकारियों से विभिन्न व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी विभागों के सचिवों को निर्देश दिये हैं कि वे लगातार चारधाम यात्रा मार्गों पर अपने विभागों से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को देंखे और विभागों के उच्चाधिकारियों को भी मौके पर भेजें। उन्होंने कहा कि यात्रा व्यवस्थाओं में सभी अधिकारी चारधाम यात्रा से जुड़े जनपदों के जिलाधिकारी और एसपी का पूरा सहयोग करें। यात्रा व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि यात्रियों को जिन स्थानों पर ठहराने की व्यवस्थाएं की गई है, यह सुनिश्चित किया जाए कि उन स्थानों पर सभी मूलभूत सुविधाएं पेयजल, विद्युत, शौचालय, खानपान और बच्चों के लिए दूध और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें। उन्होंने निर्देश दिये कि चारधाम पैदल मार्गों पर श्रद्धालुओं को पेयजल एवं अन्य सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। चारधाम यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत आवश्कतानुसार वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की जाए और श्रद्धालुओं को इन मार्गों के बारे में जानकारी भी दी जाए।

सचिव परिवहन को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि वाहनों की फिटनेस का विशेष ध्यान रखा जाए। बिना फिटनेस के कोई वाहन यात्रा मार्ग पर चल रहे हैं तो, इसके लिए संबंधित परिवहन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाय। मुख्यमंत्री ने रजिस्ट्रेशन के अनुसार ही श्रद्धालुओं को चारधाम यात्रा पर भेजा जाए। ऑफलाईन रजिस्ट्रेशन को फिलहाल स्थगित रखा जाय।मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग से केदारनाथ यात्रा के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग सौरभ गहरवार ने बताया कि श्री केदारनाथ में यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। शुक्रवार को अभी तक श्री केदारनाथ में 11 हजार हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं, पैदल मार्ग से 08 हजार यात्री दर्शन के लिए गये हैं। ठहराव वाले स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से यात्रा मार्ग पर वाहनों के आवागमन की व्यवस्थाओं की कंट्रोल रूम से निगरानी की जा रही है। यातायात प्रबंधन के लिए यात्रा मार्ग पर पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी उत्तरकाशी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने कहा कि गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि शुक्रवार को गंगोत्री धाम में 11 हजार और यमुनोत्री धाम में 10 हजार श्रद्धालुओं के दर्शन करने की संभावना है। श्रद्धालुओं के लिए जिन स्थानों पर ठहराव की व्यवस्था की गई वहां पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। एसपी उत्तरकाशी ने कहा कि कुछ लोग फर्जी रजिस्ट्रेशन वाले पाये गये हैं, जिन पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी चमोली हिमांशु खुराना ने कहा कि श्री बद्रीनाथ में यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। आगामी सप्ताह में अवकाश के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि के दृष्टिगत भी सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। बैठक में प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, सचिव अरविन्द सिंह ह्यांकी, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, सचिन कुर्वे, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, सचिव एस.एन. पाण्डेय, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, जिलाधिकारी देहरादून श्रीमती सोनिका, एसएसपी अजय सिंह, वर्चुअल माध्यम से डीजीपी अभिनव कुमार, जिलाधिकारी हरिद्वार धीराज गर्ब्याल उपस्थित थे।

यात्रा मार्ग में जाम में फंसे यात्रियों को वितरित किए फूड पैकेट एवं पानी की बोतलें

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : 11वें ज्योतिर्लिंग बाबा श्री केदारनाथ धाम के कपाट 10 मई को देश-विदेश के श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं तथा केदारनाथ धाम में कपाट खुलने से लेकर अब तक श्रद्धालुओं का भारी संख्या में आना जारी है। पहले सप्ताह में ही केदारनाथ धाम में 1 लाख, 83 हजार, 677 श्रद्धालुओं ने बाबा केदारनाथ के दर्शन कर लिए हैं जो एक नया कीर्तिमान है। भारी संख्या में दर्शन को पहुंच रहे श्रद्धालुओं जिस कारण यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर जाम की स्थिति बनी हुई है जिसके लिए जिला प्रशासन की टीमें एवं पुलिस विभाग के जवान व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने में लगे हुए हैं।दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों जो जाम में फंस रहे हैं, इसके लिए जिलाधिकारी के निर्देशन में इन यात्रियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। जिसमें शुक्रवार को जिला प्रशासन की ओर से ब्यूंगगाड़, फाटा, जामू आदि क्षेत्रों में जाम में फंसे 2500 श्रदालुओं को जिला पूर्ति अधिकारी मनोज कुमार डोभाल एवं सेक्टर अधिकारी फाटा नरेंद्र कुमार एवं उनकी टीम द्वारा तीर्थ यात्रियों को उनकी गाड़ियों में जाकर फूड पैकेट एवं पानी की बोतलें वितरित की गई। जाम में फंसे तीर्थ यात्रियों को जब जिला प्रशासन की ओर से फूड पैकेट एवं पानी की बोतले उपलब्ध कराई गई तो सभी तीर्थ यात्रियों के चेहरे पर खुशी की झलक देखने को मिली, जिससे कि सभी तीर्थ यात्रियों ने जाम में फंसे यात्रियों को फूड पैकेट एवं पानी की बोतलें उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

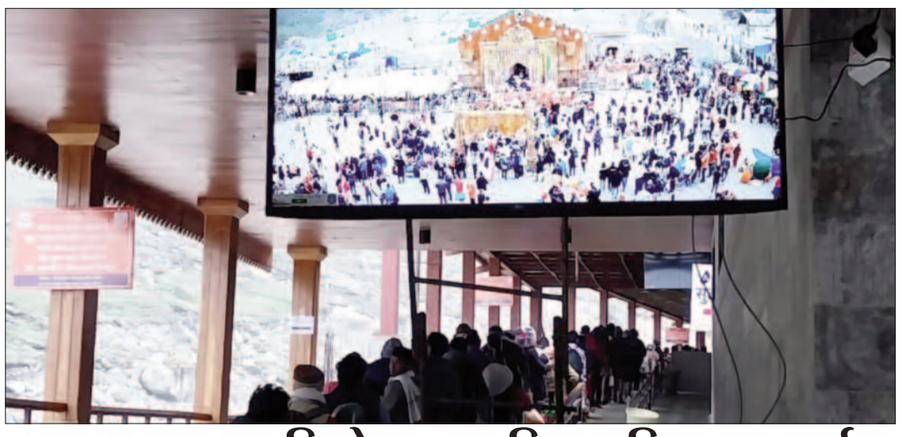

आस्था पथ पर दिखेगा अब शिव महिमा का वर्णन

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : 11वें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ में दर्शन को देश-दुनियां से पहुंच रहे श्रद्धालुओं को भगवान शिव की महिमा का वर्णन अब आस्था पथ से भी दिखेगा। जिला प्रशासन की पहल पर जिला पर्यटन विभाग के माध्यम से केदारपुरी में एलसीडी टीवी लगवाए गए हैं। 50 इंच के 10 एलसीडी टीवी आस्था पथ पर लगाए गए हैं। आस्था पथ पर बाबा केदारनाथ के दर्शनों का इंतजार कर रहे हैं श्रद्धालुओं को इन एलसीडी टीवी पर बाबा केदारनाथ जी के लाइव दर्शन होंगे इसके साथ ही भगवान शिव की कथाएं एवं महिमाओं का दर्शन भी इस पर होगा। इसके अलावा टीवी पर स्वास्थ्य एवं यात्रा से जुड़ी गाइडलाइंस भी प्रसारित की जाएंगी।

डीएम 18 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंचे हेमकुंड, लिया यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा

अधिकारियों को यात्रा से पहले व्यवस्थाओं को सुचारू करने के दिए निर्देश। 25 मई से शुरू होगी हेमकुंड साहिब और लोकपाल की यात्रा, हेमकुंड साहिब में अभी भी जमी है करीब आठ फीट बर्फ

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : श्री हेमकुंड साहिब की यात्रा शुरू होने से पहले जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने विभागीय अधिकारियों के साथ गोविंद घाट गुरुद्वारा से हेमकुंड साहिब तक 18 किलोमीटर पैदल चलकर यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हेमकुंड साहिब की यात्रा को सुगम और सुखद बनाने के लिए यात्रा से पहले पैदल मार्ग पर सभी व्यवस्थाओं को सुचारू किया जाए। श्री हेमकुंड साहिब और लोकपाल मंदिर की यात्रा इस साल 25 मई से शुरू होगी। हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा के आसपास अभी भी करीब 08 फीट बर्फ है। यहां लक्ष्मण मंदिर व हेमकुंड सरोवर भी पूरी तरह से बर्फ से ढका हुआ है। हालांकि सेना के जवानों ने हेमकुंड साहिब मार्ग पर बर्फ हटाकर आवाजाही सुचारू कर दी है।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पैदल यात्रा मार्ग पर मोड सुधारीकरण, रेलिंग, पार्किंग, घोड़ा पड़ाव तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेन शेल्टर, यात्री शेड, बेंच, साइनेज सहित बिजली-पानी, शौचालय, साफ-सफाई, स्वास्थ्य और सुरक्षा की समुचित व्यवस्थाएं की जाए। घोड़े-खच्चरों के लिए भी गर्म पानी की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाओं को सुचारू करें। यात्रा मार्ग पर किलोमीटर, हेक्टेमीटर स्टोन और साइनेज लगाए जाए। जल संस्थान को यात्रा मार्ग पर सभी स्टैंड पोस्टों और वाटर एटीएम में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुचारू करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने इको विकास समिति को पुलना, भ्यूंडार, जंगल चट्टी, घांघरिया, अटलाकोटी में निर्मित नए शौचालयों में रंगरोगन और यात्रा मार्ग पर सभी सुलभ शौचालयों में बिजली, पानी सहित यात्रा मार्ग पर साफ सफाई की समुचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। पुलिस विभाग को यात्रा के दौरान सुरक्षा के सभी इंतजाम करने, एसडीआरएफ के साथ डीडीआरएफ जवानों की भी तैनाती करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने घांघरिया हेलीपैड, थाना, चौकी, अस्पताल सहित यात्रा से जुड़ी तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लिया और श्री हेमकुंड साहिब, लोकपाल मंदिर और वैली ऑफ फ्लावर की यात्रा को सुखद बनाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।

हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर लोनिवि ने 84 डेंजर मोडों में से 72 मोडो का सुधारीकरण कार्य पूर्ण हो गया है और शेष कार्य प्रगति पर है। सेना के जवानों द्वारा हेमकुंड साहिब मार्ग पर बर्फ हटाकर आवाजाही सुचारू कर दी गई है। म्यून्डार गांव में 165 मीटर लंबा पुल बनकर तैयार है। पुलना से हेमकुंड तक के ट्रैक पर 14 रेन शेल्टर, 02 यात्री शेड, 282 बेंच लगाकर यात्रियों के बैठने के लिए तैयार किए गए हैं। हेमकुंड यात्रा मार्ग पर स्थित 30 पीटीएसपी व टीटीएसपी है, जिन पर पेयजल सुचारू करने का काम चल रहा है। पुष्पावती नदी से घांघरिया के लिए नई पेयजल लाइन पर भी काम शुरू हो गया है। साथ ही घांघरिया में घोड़े-खच्चरों के लिए बाईपास बनाया गया है। अटलाकोटी तल्ली और मल्ली में दो नए शौचालय बनाए गए है। निरीक्षण के दौरान गोविंद घाट गुरुद्वारा प्रबंधक सेवा सिंह, डीएफओ भारत भूषण मर्तोलिया, एसडीएम चन्द्र शेखर बशिष्ठ, सीएमओ डा. राजीव शर्मा, सीओ पुलिस अमित कुमार शैनी, लोनिवि के अधिशासी अभियंता अभियंता राजवीर सिंह चौहान, ईई जल संस्थान संजय कुमार श्रीवास्तव, पर्यटन अधिकारी बृजेन्द्र पांडेय, व्यवस्था इकाई सुलभ मनोज झा सहित यात्रा व्यवस्थाओं से जुड़े अन्य अधिकारी मौजूद थे।

हाईवे पर पलटे दो यात्री वाहन, बाल-बाल बचे

नई टिहरी : ऋषिकेश-बदरीनाथ राजमार्ग पर शुक्रवार को दो यात्री वाहनों के पलटने से उसमें सवार लोग बाल-बाल बच गए। दोनों वाहन से यात्री बदरीनाथ यात्रा पर जा रहे थे। शुक्रवार दोपहर पंतगांव के निकट टायर फटने से गुजरात से बदरीनाथ जा रही कार बेकाबू होकर सड़क पर पलट गयी। गनीमत रही कि, कार पहाड़ी की ओर होने से वहीं पलट गयी। कार में दक्षिण भारतीय संबंधियों के साथ गुजराती परिवार बदरीनाथ धाम जा रहा था। वहीं सौड़पानी में आमडाली के निकट दिल्ली से बदरीनाथ जा रही वैन बेकाबू होकर पलट गई।

इसमें सवार यात्री दिल्ली निवासी थे। राजमार्ग पर गुजर रहे लोगों दोनों वाहनों से लोगों को बाहर निकाला। सूचना पर थाना प्रभारी महिपाल सिंह रावत पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और यात्रियों को ढांढस बंधाया। थाना प्रभारी ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित थे। यहां एक ओर खाई होने से कोई अप्रिय घटना होने से टल गयी। यात्रियों ने सकुशल बचने पर भगवान का धन्यवाद जताया। पुलिस द्वारा यात्रियों को बदरीनाथ भेजने की व्यवस्था भी की गयी। (एजेंसी)

बावर और भरम में शूट किए मेरे गांव की बाट फिल्म के दृश्य

विकासनगर, बड़े पर्दे पर बनने वाली जौनसार बावर की पहली फीचर फिल्म मेरे गांव की बाट के दूसरे चरण की शूटिंग शुरू हो गई है। जिसके तहत बावर और भरम क्षेत्र में अनेक दृश्य फिल्माए जा रहे हैं। फिल्म क्रिएटिव डायरेक्टर केएस चौहान ने बताया कि फिल्म के कथानक को ग्रामीण परिवेश में फिल्माया गया, जबकि फिल्म में गीतों के दृश्यों को प्राकृतिक दृष्टि से अत्यंत सुंदर बावर और भरम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में फिल्माया जा रहा है। महासू धाम हनोल में भी फिल्म की शूटिंग होगी। फिल्म में गाये गए अधिकांश गीतों का फिल्मांकन बावर क्षेत्र के बागी, कुणा, बृनाड़, कोटी कनासर, नीनूस, बास्तिल, मोईला टॉप, देववन में किया जाएगा।

विशाल ने प्रधानमंत्री और अतुल ने सेनापति पद पर ली शपथ

ऋषिकेश। पुष्पा बडेरा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शुक्रवार को छात्र संसद का शपथ ग्रहण समारोह हुआ, जिसमें विशाल ठाकुर ने प्रधानमंत्री और अतुल डोभाल ने सेनापति पद की शपथ ली।

ढालवाला स्थित पुष्पा बडेरा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में छात्र संसद के नवनियुक्त पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि नगर पालिका मुनिकीरेती के ईओ तनवीर सिंह महावर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि छात्र लोकतांत्रिक मूल्यों को सीख रहे हैं एवं मतदान के महत्व को भी इस प्रक्रिया के माध्यम से समझेंगे। छात्र अनुशासन में रहते हुए लक्ष्य को प्राप्त करें और रुचि के

अनुसार विषय का चुनाव करें। तभी आप एक अच्छे नेतृत्वकर्ता बन पाएंगे। विद्यालय प्रबंधक हर्षमणि व्यास ने सांसद चुनाव लोकतंत्र की मुख्य धारा है। समस्त पदाधिकारी अपने कार्यों को ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ करें। प्रधानाचार्य विजय बडोनी ने कहा कि विशाल ठाकुर ने प्रधानमंत्री, गौरव खंडूरी ने उप प्रधानमंत्री, अतुल डोभाल ने सेनापति, मोहित बिजल्वाण ने उप सेनापति, वैभव गौड़ ने संसदीय कार्यमंत्री, अभिनव सकलानी ने प्रतियोगिता विभाग प्रमुख, संजय उराव ने सूचना प्रमुख, आयुष मैठाणी ने शारीरिक विभाग प्रमुख दीपांशु रावत ने घोष प्रमुख, विपिन कबसूडी ने खोया पाया विभाग प्रमुख, केशव मिश्रा ने अतिथि विभाग प्रमुख पद पर शपथ ग्रहण की है।

तिब्बत वूमेंस एसोसिएशन ने की 11वें पंचेन की रिहाई की मांग

देहरादून। तिब्तन वूमेंस एसोसिएशन ने 11वें पंचेन लामा के जबरन गायब होने के 29 साल पूरे उन्हें पर उनको याद किया। एसोसिएशन ने शुक्रवार को प्रेस क्लब में उनकी याद में कार्यक्रम आयोजित कर उनकी रिहाई की मांग की। इसके साथ ही कैंडिल मार्च भी निकाला गया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि 17 मई 1995 को चीनी सरकार ने 11वें पंचेन जामा, तेनजिन गुंडेन येशी थिनल फुंटसोक, जिन्हें गुंडेन चोएक्यी न्यिमा के नाम से जाना जाता था और उनके परिवार, ताशी ल्हुनपो मठ के पूर्व मठाधीश और जंगपा चुंगला खोज समिति के प्रमुख चाड्रेल रिनपोछे को जबरन गायब कर दिया था, तब से तिब्बती महिला संघ ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से गुंडेन चोएक्यी न्यिमा के जबरन अपहरण की याद दिलाता है। कहा कि 14वें दलाई जामा की ओर से उन्हें पंचेन की लामा के रूप में मान्यता दिए जाने के तीन बाद चीनी अधिकारियों ने अपहरण कर लिया था, उस समय वह छह साल के थे। कहा कि चीन ने बौद्ध धर्म की निंदा, अपमान और अवहेलना की है, धर्म किसी कार्य या प्रदर्शन से नहीं आता, हमें धर्म और धार्मिक होने का सही अर्थ जानने के लिए अपने भीतर प्रकट करना चाहिए।

विकासनगर में पारा 40 डिग्री पहुंचा, गर्मी से बिलबिलाए लोग

विकासनगर। भीषण गर्मी के चलते पछुवादून निवासी परेशान नजर आए। शुक्रवार को तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। 18 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चलने से वाहन चालक और राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दोपहर में गर्मी बढ़ने पर बाजारों में सन्नाटा पसरा गया। शाम को गर्मी का सितम थमने पर ही लोग घरों से बाहर निकले। गर्मी के मौसम में मुश्किल भरे दिन शुरू हो चुके हैं। पिछले चार दिनों से पछुवादून में भीषण गर्मी पड़ रही है। शुक्रवार को पारा 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहा। आर्द्रता 11 फीसद और गर्म हवा का वेग 12 से लेकर 18 किलोमीटर प्रति घंटा रहा। तापमान में बढ़ोत्तरी व तेज धूप से पछुवादून के बाशिंदे पूरे दिन गर्मी से बिलबिलाते रहे।

चारों धामों की पॉवर सप्लाई को ऊर्जा निगम ने दौड़ाई टीमें

देहरादून। चारों धामों में पॉवर सप्लाई सिस्टम को पुख्ता बनाए रखने को शुक्रवार को ऊर्जा निगम मैनेजमेंट हरकत में नजर आया। गुरुवार को बदरीनाथ धाम में छोटे से फॉल्ट के कारण दो घंटे की बाधित रही सप्लाई के कारण शुक्रवार दिन भर यूपीसीएल मुख्यालय में खलबली रही। मुख्यालय से एक टीम बदरीनाथ धाम रवाना की गई। मुख्यालय में एक कंट्रोल रूम बनाया गया। शनिवार को एमडी खुद बदरीनाथ, केदारनाथ धाम के लिए रवाना हो रहे हैं। यूपीसीएल पर चारों धामों में 24 घंटे बिजली सप्लाई का दबाव है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दो टूक सख्त निर्देश जारी कर चुके हैं कि किसी भी तरह की बिजली कटौती को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धामों में एक एक मिनट के बिजली सप्लाई बाधित होने का ब्यौरा सीधे उच्च स्तर पर देखा जा रहा है। गुरुवार को बदरीनाथ धाम में पत्थर गिरने से कंडक्टर को पहुंचे नुकसान से सप्लाई दो घंटे बाधित रही। इस पर ऊर्जा विभाग में नीचे से लेकर ऊपर मैनेजमेंट तक का जवाब तलब किया गया। यूपीसीएल को धामों में पॉवर सप्लाई का बैकअप सिस्टम भी तैयार रखने की सख्त हिदायत दी गई।

इसके बाद शुक्रवार को एमडी यूपीसीएल के निर्देश पर एक तकनीकी दल का गठन किया गया। इसमें एसई टिहरी शैलेंद्र सिंह, एक्सईएन मोहन मित्तल, एई शुभम कंडवाल को शामिल किया गया। दल को शुक्रवार को ही रवाना कर दिया गया। बदरीनाथ धाम में ही एसई समेत निदेशक ऑपरेशन मदन राम आर्य को अलग से पहले से ही तैनात किया गया है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के लिए एसई विकासनगर युद्धवीर सिंह तोमर को पूरे क्षेत्र में कैंप करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यालय में खुला कंट्रोल रूम यूपीसीएल मुख्यालय में भी कंट्रोल रूम खोला गया। एक्सईएन मयूर देव सिंह, मोहन मित्तल समेत अन्य अफसरों को कंट्रोल रूम की जिम्मेदारी दी गई है। यहां से चारों धामों की बिजली सप्लाई पर नजर रखी जाएगी। किसी भी तरह की बिजली सप्लाई बाधित होने पर क्षेत्रीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए सप्लाई बहाली सुनिश्चित करने की भी जिम्मेदारी कंट्रोल रूम पर रहेगी।

केदारनाथ धाम को चार सेक्टर में बांटा

यूपीसीएल ने बिजली सप्लाई के मामले में केदारनाथ धाम को चार सेक्टर में बांट दिया है। गौरीकुंड, जंगलचट्टी, भीमबली और लिंचोली को चार सेक्टर में बांटा गया है। इस सेक्टरों में तैनात अधिकारियों को सभी जरूरी सामान को पर्याप्त मात्रा में अपने पास उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com